उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-44)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 09 जनवरी ,2022

हिमालियन गिद्ध पाये जाने पर जमा हुई भीड़

मां ने नहानें के लिए कहा तो बेटे ने फोन कर बुला ली पुलिस

अमेरिका : हत्या के मामले में क्यों फंसे डोनाल्ट टंप

पदयात्रा के जरिए देश को जोड़ने की कर रहा हूं तपस्या: राहुल

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' को तप बताते हुए कहा है कि इस तपस्या के जरिए वह कन्याकुमारी से कश्मीर तक नफरत और डर के माहौल को खत्म कर भाईचारा एवं सौहार्द बढ़ाने का काम कर रहे हैं तथा उनकी इस यात्रा में करोड़ों लोग जुड़ रहे हैं। गांधी ने हरियाणा में कुरुक्षेत्र के नजदीक सामना में भारत जोड़ो यात्रा के बीच रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश का किसान, मजदूर, छोटा कारोबारी सब तपस्वी हैं लेकिन उनके तप को महत्व नहीं दिया जा रहा है और व्यक्ति पूजा के हिमायती संगठन की सरकार में उनकी अनदेखी हो रही है।

उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा तपस्या है। इस तपस्या के जरिए मैं देश से भय, डर, नफरत समाप्त करने का काम कर रहा हूं जबकि भारतीय जनता पार्टी और आर एस एस व्यक्ति पूजा को महत्व देते हैं। उनके लिए व्यक्ति पूजा ही महत्वपूर्ण है और किसी तप तथा तपस्या से उनका कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस को तपस्वी संगठन बताते हुए उन्होंने कहा कि उनके यहां तपस्या से बदलाव लाया जाता है लेकिन भाजपा में पूजा को महत्व दिया जाता है और आरएसएस ऐसा संगठन है जो अपनी पूजा चाहता है।

इसलिए आरएसएस को भारत जोड़ो यात्रा निकाल कर ही जवाब दिया जा सकता है क्योंकि इस यात्रा में लाखों लोग तपस्या कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस में बुनियादी फर्क बताती हुई गांधी ने कहा कि कांग्रेस में तपस्या को सम्मान दिया जाता है जबकि भाजपा में पूजा को अहमियत मिलती है। भाजपा डरा कर आगे बढ़ना चाहती है लेकिन कांग्रेस तपस्या कर और बिना डरे आगे बढ़ती है। उन्होंने कांग्रेस के निशान हाथ को भी भयमुक्ति का प्रतीक बताया और कहा कि हाथ का निशान अभय का प्रतीक है।

उनका कहना था कि इसी तरह से गुरु नानक देव, महात्मा बुद्ध, भगवान शिव के हाथ की मुद्रा भी अभय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का लक्ष्य देश की जनता को सच्चाई से अवगत कराना है। यात्रा का फायदा कांग्रेस को मिले या ना मिले लेकिन इसका मकसद नफरत न करो, जो आर्थिक असमानता पैदा की जा रही है और सारा धन जो दो चार लोगों के हाथ में देकर महंगाई बढाई जा रही है उसके खिलाफ यह यात्रा है। यात्रा का संदेश सब जगह पहुंच रहा है और यही वजह है की यात्रा में लगातार भीड़ जुट रही है। यात्रा को राजस्थान मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश और हरियाणा में जो समर्थन मिल रहा है वह अद्भुत है और लोगों के उत्साह से साफ है कि मध्य प्रदेश में हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनाएगी और जनता के सवालों का समाधान करेगी।

ठंड का प्रकोप जारी, यूपी के कई जिलों में 14 जनवरी तक बंद रहेंगे स्कूल

नई दिल्ली। पश्चिम और उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड जारी है। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में पारा लगातार गिरता जा रहा है। ठंड के साथ-साथ घना कोहरा भी साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि उत्तर भारत के कई राज्यों ने स्कूलों को बंद करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश के भी कई शहरों में अब स्कूल 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। लखनऊ में 1 से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं 9 जनवरी से लेकर 14 जनवरी तक बंद रहेंगे। गाजियाबाद में भी फिलहाल 11 जनवरी तक कक्षाएं बंद रहेंगे। नोएडा के स्कूल 14 जनवरी 2023 तक बंद रहेंगे। कई शहरों में कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के छात्रों के लिए समय में बदलाव किया गया है। उत्तर प्रदेश में जारी शीतलहर की वजह से मैनपुरी में 14 जनवरी तक स्कूल बंद रहेंगे।दिल्ली में भी ठंड का प्रकोप जारी है। आईएमडी वैज्ञानिक डॉ आरके जेनामणि ने कहा कि कड़ाके की ठंड की स्थिति जारी रहने से दिल्ली जमी है और न्यूनतम तापमान कम बना हुआ है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पास रिज क्षेत्र में सबसे कम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर 2 डिग्री सेल्सियस और सफदरजंग में 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि शेष उत्तरी भारत में; राजस्थान के चुरू, हरियाणा के हिसार और यूपी के बरेली में भयंकर शीतलहर का अनुभव हुआ, क्योंकि न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। दिल्ली के कुछ हिस्सों और आसपास के इलाकों में घने कोहरे की स्थिति में सुधार हुआ है। तापमान घटने के कारण पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी यूपी, राजस्थान और दिल्ली को 24 घंटे के लिए रेड अलर्ट दिया गया है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 25 मीटर थी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण 36 ट्रेन एक से सात घंटे की देरी से चल रही हैं। मौसम कार्यालय के अनुसार, दृश्यता जब शून्य और 50 मीटर के बीच रह जाती है तो उस समय 'बहुत घना' कोहरा होता है। वहीं, 51 और 200 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'घना', 201 और 500 मीटर के बीच 'मध्यम' और 501 तथा 1,000 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'हल्का' कोहरा होता है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

पेशाब कांड पर आया टाटा के चेयरमैन का बयान, कहा- मेरे लिए ये व्यक्तिगत पीड़ा का विषय

मुंबई। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने रविवार को स्वीकार किया कि शराब के नशे में एक यात्री द्वारा एक महिला पर कथित रूप से पेशाब करने की घटना पर एयर इंडिया की प्रतिक्रिया 'अधिक तेज' होनी चाहिए थी। पिछले साल एयर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान यह घटना हुई। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस बारे में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन से जवाब मांगा। चंद्रशेखरन ने बयान में कहा कि हम इस घटना को उस तरह से संभालने में विफल रहे, जिस तरह से हमें इसे संभालना चाहिए था। एक चौंकाने वाली घटना में नशे में धुत एक व्यक्ति ने पिछले साल 26 नवंबर को एयर इंडिया की न्यूयॉर्क-नयी दिल्ली उड़ान की 'बिजनेस श्रेणी' में करीब 70 वर्षीय एक महिला सह-यात्री पर कथित तौर पर पेशाब किया था। आरोपी शंकर मिश्रा को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया था। चंद्रशेखरन ने रविवार को बयान में कहा कि मेरे और एयर इंडिया के मेरे सहयोगियों के लिए 26 नवंबर, 2022 को एयर इंडिया की उड़ान एआई102 की घटना व्यक्तिगत पीड़ा का विषय है। एयर इंडिया की प्रतिक्रिया अधिक तेज होनी चाहिए थी। हम इस स्थिति को उस तरह से संभालने में विफल रहे, जिस तरह से हमें इसे संभालना चाहिए था। उन्होंने कहा कि टाटा समूह और एयर इंडिया अपने यात्रियों की सुरक्षा और भलाई के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। हम इस तरह की अनियंत्रित प्रकृति की किसी भी घटना को रोकने या उससे निपटने के लिए समीक्षा करेंगे और हरसंभव व्यवस्था करेंगे। डीजीसीए ने कहा है कि इस घटना से निपटने में एयर इंडिया का आचरण 'पेशेवराना' नहीं था और उसने एयरलाइन, उसकी उड़ान सेवाओं के निदेशक और उड़ान संचालित करने वाले चालक दल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

प्रयागराज में आयोजित होगा माघ मेला,कोविड19 महामारी के बाद कई चुनौतियों का होगा सामना

प्रयागराज। दो साल कोरोना महामारी की वजह से फीका रहे माघ मेले में इस बार बड़ी संख्या में कल्पवासी आए हैं; लेकिन मेले को भव्य रूप देने के शासन के दावों के इतर मेला प्राधिकरण को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। माघ मेला क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या संचार व्यवस्था को लेकर है। करीब 650 हेक्टेयर क्षेत्र में बसे माघ मेले में गंगोली शिवाला मार्ग पर केवल एक मोबाइल टावर लगा है, जिससे पूरे मेला क्षेत्र में मोबाइल फोन में सिग्नल ना के बराबर आता है।मेला प्राधिकरण के अमीन पंकज कुमार ने बताया कि इस बार स्नान पर्व काफी पहले पड़ गया जिसकी वजह से मोबाइल टावर लग नहीं पाए; प्राधिकरण और मोबाइल टावर लगवाने का प्रयास कर रहा है। प्रदेश सरकार माघ मेला को 2025 में लगने वाले महाकुंभ का पूर्वाभ्यास कह रही है और पिछले वर्ष के 641 हेक्टेयर क्षेत्र के मुकाबले इस साल मेला क्षेत्र को बढ़ाकर 650 हेक्टेयर किया गया है। लेकिन मेला में मिलने वाली सुविधाओं के लिए मेला कार्यालय में साधु संतों और समाजसेवियों का हुजूम प्रतिदिन देखा जा सकता है। त्रिवेणी संगम आरती सेवा समिति के अध्यक्ष और ज्योतिषाचार्य पंडित राजेंद्र मिश्रा का कहना है कि माघ मेला मुख्य रूप से कल्पवासियों का मेला होता है ।

असम में 18 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, दो गिरफ्तार

दिफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में रविवार को एक वाहन से लगभग 18 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त करने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि असम पुलिस और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने एक संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तारियां कीं और जब्ती की। कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीब कुमार सैकिया ने कहा, ऽमादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास की विशेष जानकारी के आधार पर दिलई तिनियाली में नाकाबंदी की गई थी। उन्होंने कहा कि सुबह करीब साढ़े दस बजे एक पिक-अप वैन को रोका गया और जांच के दौरान 286 साबुनदानी में पैक 3.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई।

दुनिया के सबसे लंबे क्रूज को प्रधानमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। आधिकारिक बयान के मुताबिक, नदी में चलने वाला क्रूज जहाज 'एमवी गंगा विलास' शुक्रवार को वाराणसी से अपने पहले सफर पर निकलेगा। इस दौरान वह 3,200 किलोमीटर से लंबा सफर तय करेगा। यह क्रूज भारत एवं बांग्लादेश से गुजरने वाली 27 नदी प्रणालियों के रास्ते अपनी मंजिल पर पहुंचेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज को शुक्रवार को वाराणसी में हरी झंडी दिखाएंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, नदी में चलने वाला क्रूज जहाज 'एमवी गंगा विलास' शुक्रवार को वाराणसी से अपने पहले सफर पर निकलेगा। इस दौरान वह 3,200 किलोमीटर से लंबा सफर तय करेगा। यह क्रूज भारत एवं बांग्लादेश से गुजरने वाली 27 नदी प्रणालियों के रास्ते अपनी मंजिल पर पहुंचेगा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा है कि एमवी गंगा विलास का उद्घाटन होने के साथ ही भारत नदियों से क्रूज सफर के वैश्विक मानचित्र का हिस्सा बन जाएगा।

जोशीमठ मामले में मोदी ने की सीएम धामी से बात

उत्तराखंड के जोशीमठ में आए भूस्खलन के कारण घरों में आई दरारों की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बातचीत की और उनसे स्थिति का हाल जाना। मुख्यमंत्री ने प्रभावित निवासियों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी है। हल करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्य योजनाओं की प्रगति के बारे में पूछताछ की है।इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से टेलीफोन पर बात की और प्रभावित निवासियों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों और समस्या को हल करने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक कार्य योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

भीषण शीतलहर, घने कोहरे से सड़क-रेल यातायात प्रभावित

नयी दिल्ली। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में रविवार सुबह भीषण शीतलहर का प्रकोप रहा। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दो साल में राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी के महीने में दर्ज सबसे कम तापमान है। उत्तर-पश्चिम भारत और देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ। घने कोहरे के कारण सुबह साढ़े पांच बजे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने ट्वीट किया कि कैट-ढ्ढढ्ढ श्रेणी के अनुरूप न होने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं रेलवे ने कहा कि कोहरे के कारण 480 से अधिक रेलगाड़ियों की आवाजाही पर असर पड़ा है। एक अधिकारी ने कहा, 'करीब 335 रेलगाड़ियों के आवागमन में देरी हुई, 88 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, 31 रेलगाड़ियों का मार्ग बदलना पड़ा और 33 की यात्रा को गंतव्य से पहले समाप्त कर दिया गया।बढ़ती ठंड से बिजली आपूर्ति ग्रिड पर दबाव बढ़ रहा है। बेघरों और पशुओं के सामने चुनौती भी पैदा हो रही है। दिल्ली में सर्दियों में बिजली की मांग शुक्रवार को बढ़कर रिकॉर्ड 5,526 मेगावाट पर पहुंच गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कुछ स्थानों पर कृषि, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र पर प्रभाव पड़ने की चेतावनी दी है।मौसम कार्यालय ने यह भी कहा कि लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से किसी को कंपकंपी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जो इस बात का पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है और घर के अंदर रहना चाहिए। परामर्श में कहा गया है, 'विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने के लिए पर्याप्त गर्म तरल पदार्थ पिएं। बाहरी गतिविधियों में शामिल होने से बचें या उन्हें सीमित करें।आईएमडी ने कहा कि राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में आठ जनवरी को शीत लहर से भीषण शीत लहर की स्थिति जारी रहने का अनुमान है।

डंपर में फंसकर तीन किलोमीटर तक घिसटती रही महिला, आग लगने से जिंदा जली

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र में मवई बुजुर्ग गांव के बाईपास पर एक डंपर की टक्कर लगने से उसमें फंसकर स्कूटी सवार एक महिला करीब तीन किलोमीटर तक घिसटती रही। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घर्षण के कारण डंपर और स्कूटी में आग लग गई, जिससे महिला की जलकर मौत हो गई। शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) श्यामबाबू शुक्ला के मुताबिक, कृषि विश्वविद्यालय, बांदा में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक पुष्पा सिंह (35) बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे सब्जी खरीदकर अपनी स्कूटी से जा रही थीं, तभी रास्ते में मवई बुजुर्ग गांव के बाईपास के नजदीक एक डंपर ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

शुक्ला के अनुसार, टक्कर से सिंह डंपर के अगले हिस्से में फंसकर स्कूटी समेत करीब तीन किलोमीटर तक घिसटती चली गईं। उन्होंने बताया कि इससे स्कूटी और डंपर में आग लग गई और सिंह जिंदा जल गईं। एसएचओ ने बताया कि वर्ष 2020 में सहायक लेखाकार पद पर तैनात रहे रंजीत कुमार की मृत्यु हो गई थी। उन्हीं के स्थान पर उनकी पत्नी पुष्पा की नियुक्ति हुई थी। शुक्ला ने बताया कि डंपर के चालक को पकड़ लिया गया है और डंपर को जब्त कर लिया गया है जबकि महिला के अधजले शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एसएचओ ने बताया कि डंपर के चालक ने पूछताछ में बताया कि उसे स्कूटी डंपर में फंस जाने की जानकारी हो गयी थी, लेकिन महिला के भी फंसने से वह अनभिज्ञ था।

शुक्ला ने बताया कि चालक ने बताया कि भय की वजह से उसने डंपर नहीं रोका और आग लग जाने के बाद वह भागा, लेकिन बाद में पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों की माने तो हादसे के दौरान किसी ने उसकी (महिला की) चीख-पुकार नहीं सुनी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि मृतमहिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया था। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि महिला की मौत हादसे के बाद जलने से हुई। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम हो चुका है और रिपोर्ट पुलिस को भेज दी गयी है।

विहिप और बजरंग दल ने 'पठान' फिल्म के 'बेशर्म रंग' को हटाने की मांग की

शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'पठान' की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अहमदाबाद के एक मॉल में फिल्म के पोस्टरों को फाड़ने की घटना सामने आई है और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) तथा बजरंग दल ने कहा कि वह फिल्म को गुजरात में तब तक प्रदर्शित नहीं होने देंगे जबतक 'बेशर्म रंग' गाने का विवाद सुलझ नहीं जाता। सोशल मीडिया पर कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं जिनमें बुधवार को विहिप और बजरंग दल के सदस्य 'पठान' फिल्म के खिलाफ नारेबाजी करते दिख रहे हैं और उसके पोस्टर फाड़ रहे हैं।

इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम ने भी भूमिका निभाई है। इस बीच 'पठान' फिल्म के निर्माताओं और कलाकारों को फिल्मकार राहुल ढोलकिया और कुछ अन्य का समर्थन मिला है जिन्होंने तोड़-फोड़ की घटनाओं की निंदा की है। विवाद के केंद्र में एक गाना है जो अभिनेत्री दीपिका पादुकोण पर फिल्माया गया है और विभिन्न दृश्यों के साथ एक दृश्य में वह भगवा रंग की बिकनी पहने दिखाई दे रही हैं। इस गाने को 12 दिसंबर को रिलीज किया गया और यूट्यूब पर अब तक पांच करोड़ लोग इसे देख चुके हैं।

बजरंग दल के उत्तरी गुजरात इकाई के अध्यक्ष ज्वलित मेहता ने कहा, ''हम पठान के निर्माताओं से चाहते हैं कि वह 'बेशर्म रंग' शब्द को गाने से हटाएं और उस दृश्य को भी हटाए जिसमें अभिनेत्री ने भगवा कपड़े पहने हैं। अगर ये दो बदलाव नहीं होते तो हम पठान फिल्म को गुजरात में प्रदर्शित नहीं होने देंगे। हम फिल्म के शीर्षक के भी खिलाफ हैं क्योंकि यह लव जिहाद को बढ़ावा देता है, लेकिन इस समय हमारी मुख्य गाने को लेकर है।''

गुजरात विहिप के प्रवक्ता हितेंद्रसिंह राजपूत ने कहा कि आदर्श तौर पर 'बेशर्म रंग' को फिल्म से हटा देना चाहिए। इस पूरे विवाद पर फिल्म उद्योग के अधिकतर लोगों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' को निर्देशित करने वाले ढोलकिया ने पठान फिल्म के खिलाफ प्रदर्शनों को 'तोड़-फोड़ और गुंडागर्दी' करार दिया है। 'बेशर्म रंग' के रिलीज होने के बाद ढोलकिया ने कहा कि कई सालों से शाहरुख खान के खिलाफ घृणात्मक हमले हो रहे हैं और इसकी निंदा 'फिल्म उद्योग के प्रत्येक व्यक्ति को करनी चाहिए।' कुछ और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी बुधवार को अहमदाबाद में हुई घटना की निंदा की है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कहा कि समिति ने निर्माताओं को गाने सहित सुझाये गये बदलाव को लागू करने और सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने से पहले संशोधित संस्करण जमा करने को कहा है।

सभी देशवासियों, राज्यवासियों, नगर वासियों एवं क्षेत्रीयवासियों, सम्पादक साथियों व मेरे प्रिय पत्रकार भाइयों सहित शासन-प्रशासन और देश-प्रदेश से जुड़े हुए बी पी एस न्यूज के पाठक व सम्मानित मित्रों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक

बी.पी. साहू

8423454502, 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

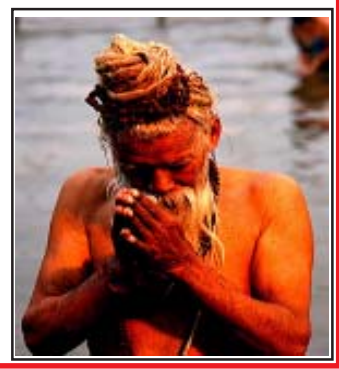

सम्पादकीय

अतिक्रमण और पुनर्वास

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ठंड के मौसम में बेघर होने की आशंकाओं से घिरे हजारों लोगों को राहत दी है। निस्संदेह यह राहत अंतिम नहीं है, लेकिन इस फैसले को मानवीय दृष्टि से संवेदनशील पहल कहा जाना चाहिए। लेकिन इस दौरान शीर्ष अदालत की टिप्पणियां सत्ताधीशों व स्थानीय प्रशासनों के लिये सख्त संदेश भी है कि यह अतिक्रमण कुछ ही दिनों व सालों की बात नहीं। सालों-साल चले इस अतिक्रमण को रोकने के लिये जवाबदेह लोग दशकों क्यों सोते रहे? यह भी कि दशकों के अतिक्रमण को रातों-रात तो बिल्कुल नहीं हटाया जा सकता। निस्संदेह, करीब पचास हजार लोगों को आनन-फानन में नहीं हटाया जाना चाहिए। यहां तमाम स्थायी आवासों के साथ ही कई सरकारी स्कूल, बैंक, विभाग, मंदिर-मस्जिद आदि बने हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात सुप्रीम कोर्ट ने यह कही कि हजारों लोगों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए। शीर्ष अदालत इस बाबत सात फरवरी को रेलवे व सरकार का पक्ष सुनेगी। बाकायदा उत्तराखंड सरकार को अपना पक्ष रखने के लिये नोटिस भेजा गया है। विडंबना यह है कि ऐसे अतिक्रमण की स्थिति पूरे देश में बनी हुई है। अपनी जड़ों से उखड़े, रोजगार की तलाश में शहरों की तरफ आए लोग तथा भू-माफियाओं की साजिश के चलते बेचे गये भूखंडों के खरीददार इन अतिक्रमणों के केंद्र में रहते हैं। दरअसल वोटों की राजनीति, स्थानीय प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा तंत्र की काहिली इन अवैध बस्तियों को पनपने का मौका देती है। लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है और सरकार या कोर्ट की तरफ से मामला उजागर होता है तो स्थानीय प्रशासन बसे लोगों को हटाने की तुरत-फुरत कार्रवाई में जुट जाता है। निस्संदेह, ऐसी किसी कार्रवाई में मानवीय पक्ष को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कह सकते हैं कि यह सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण होता है, लेकिन इन आशियानों को बनाने में भी गरीब तबके के लोगों की जीवनभर की पूंजी लगी होती है।

दरअसल, राष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या को संबोधित करने की जरूरत है कि क्यों सरकार की खाली पड़ी जमीनों की बंदरबांट होती है। इस समस्या का समाधान शुरुआत में ही क्यों नहीं तलाशा जाता। सवाल यह भी कि हल्द्वानी में बनभूलपुरा की जिस 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण की बात की जा रही है उसे रेलवे भूला हुआ क्यों था? ऐसा तो नहीं था कि स्थायी संरचनाएं रातों-रात बन गई थीं। दरअसल, इस अतिक्रमण पर रेलवे की नजर तब पड़ी जब इस क्षेत्र से लगती नदी में रेत के अवैध खनन के तार इस इलाके की बस्तियों से जुड़े। मामला 2013 में उठा था और फिर दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना। दरअसल, यह अतिक्रमण की गुत्थी गहरे तक उलझी हुई है। कुछ लोगों का दावा है कि वे गृहकर व जल-कर भर रहे हैं तो स्थानीय निकायों ने कैसे इस अतिक्रमण करके बने मकानों को मान्यता दी? कुछ लोग जमीन के दस्तावेजों के कानूनन वैध होने के दावे कर रहे हैं।

साफ पानी के नये स्रोतों की तलाश

उदाहरण के तौर पर अमेरिका में कोलोराडो नदी घाटी में घटते जल स्तर से समूचा पश्चिमी अमेरिका प्रभावित है। गर्म क्षेत्रों के समुद्रों में लगातार पानी का वाष्पीकरण हो रहा है क्योंकि पूरे वर्ष बादलों का बहुत कम आवरण होने के कारण अधिक सौर विकिरण होता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, क्लाउड सीडिंग और खारे पानी को मीठा करने की तकनीकों को केवल सीमित सफलता मिली है। खारे पानी को मीठा करने के लिए दुनिया के कुछ क्षेत्रों में स्थापित किए गए संयंत्रों को नमकीन और भारी धातु से भरे अपशिष्ट जल के कारण स्थायित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है।

पृथ्वी पर ताजा पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं है और आने वाले वर्षों में पानी की स्थिति और भी बदतर हो जाएगी। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वैज्ञानिकों को इस जीवनदायी तरल के नए स्रोत खोजने होंगे क्योंकि स्वच्छ पानी के मौजूदा स्रोतों और रिसाइकलिंग से प्राप्त पानी से मानव जरूरतें पूरी नहीं होंगी। जलवायु परिवर्तन के अनुमानों के अनुसार शुष्क क्षेत्र और सूख जाएंगे और आर्द्र क्षेत्र अधिक आर्द्र हो जाएंगे। पानी की कमी का सामना करने वाले मौजूदा क्षेत्रों में भविष्य में और भी अधिक सूखे पड़ेंगे, जिससे समस्या और गंभीर हो जाएगी। दुनिया के विज्ञानी स्वच्छ जल के संकट की गंभीरता से वाकिफ हैं और वे इसके नए स्रोत खोजने में जुट गए हैं।

अमेरिकी शोधकर्ताओं ने मीठे पानी के अप्रयुक्त स्रोतों का दोहन करने के लिए नई संरचनाओं का प्रस्ताव रखा है। इलिनॉय विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि ताजे पानी की असीमित आपूर्ति पृथ्वी के महासागरों के ऊपर जल वाष्प के रूप में मौजूद है। फिर भी अभी तक इसका दोहन नहीं किया जा सका है। सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग के प्रोफेसर प्रवीण कुमार के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में दुनिया के 14 ऐसे क्षेत्रो का मूल्यांकन किया गया है जहां जल संकट बना रहता है। अध्ययन में समुद्र के ऊपर से जल वाष्प को पकड़ने और इसे ताजे पानी में बदलने के लिए एक काल्पनिक संरचना की व्यवहार्यता का भी आकलन किया गया है।शोधकर्ताओं का कहना है कि निरंतर जलवायु परिवर्तन की स्थिति में भी इस नए जल स्रोत का उपयोग संभव होगा। प्रो. प्रवीण कुमार ने कहा कि हमें लगता है कि हमारा नया प्रस्तावित तरीका बड़े पैमाने पर ऐसा कर सकता है। यह पहला अध्ययन है जिसमें दुनिया के विभिन्न स्थानों में ताजे पानी की सीमित आपूर्ति के समाधान के रूप में समुद्री जल वाष्प के दोहन में सक्षम नए बुनियादी ढांचे में निवेश का सुझाव दिया गया है।पानी की कमी एक वैश्विक समस्या है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में कोलोराडो नदी घाटी में घटते जल स्तर से समूचा पश्चिमी अमेरिका प्रभावित है। गर्म क्षेत्रों के समुद्रों में लगातार पानी का वाष्पीकरण हो रहा है क्योंकि पूरे वर्ष बादलों का बहुत कम आवरण होने के कारण अधिक सौर विकिरण होता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, क्लाउड सीडिंग और खारे पानी को मीठा करने की तकनीकों को केवल सीमित सफलता मिली है। खारे पानी को मीठा करने के लिए दुनिया के कुछ क्षेत्रों में स्थापित किए गए संयंत्रों को नमकीन और भारी धातु से भरे अपशिष्ट जल के कारण स्थायित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया ने हाल ही में इस तरह के नए संयंत्रों को जोड़ने के उपायों को खारिज कर दिया है।

शोधकर्ताओं ने 210 मीटर चौड़ी और 100 मीटर ऊंची काल्पनिक अपतटीय संरचनाओं की तैनाती का वायुमंडलीय और आर्थिक विश्लेषण किया है। अपने विश्लेषण के माध्यम से शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि दुनिया में पानी की कमी वाले क्षेत्रों में समुद्र की सतहों पर नमी को पकड़ना संभव है। प्रस्तावित संरचनाओं से अनुमानित जल उत्पादन से बड़ी आबादी वाले क्षेत्रों में स्वच्छ जल की आपूर्ति की जा सकती है। इस अध्ययन में शामिल शोधकर्ता अफीफा रहमान ने कहा कि जलवायु अनुमानों से पता चलता है कि समुद्री वाष्प प्रवाह समय के साथ और बढ़ेगा और इससे अधिक ताजे पानी की आपूर्ति होगी।इस बीच, हमारे ग्रह की सतह पर मौजूद पानी के पर्यवेक्षण के लिए गत 16 दिसंबर को स्वोट मिशन को पृथ्वी की निम्न कक्षा में भेजा गया है। नासा और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी के इस मिशन में कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी और ब्रिटिश अंतरिक्ष एजेंसी का भी योगदान है। स्वोट पहली बार पृथ्वी की सतह पर मौजूद लगभग समस्त जल का सर्वेक्षण करेगा। इस ग्रह पर जीवन के लिए पानी जरूरी है। लेकिन यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन द्वारा पृथ्वी के वायुमंडल में फंसी अतिरिक्त गर्मी और कार्बन को संगृहीत करने तथा स्थानांतरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारे मौसम और जलवायु को भी प्रभावित करता है। स्वोट मिशन शोधकर्ताओं को यह पता लगाने में मदद करेगा कि आज पानी कहां है, कहां से आ रहा है और कल कहां होगा। हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि जल संसाधन कैसे बदल रहे हैं और इन परिवर्तनों का स्थानीय पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।तीन साल के मिशन में स्वोट उपग्रह पृथ्वी की 90 प्रतिशत से अधिक सतह पर स्वच्छ पानी के जलाशयों और समुद्रों में मौजूद पानी की ऊंचाई को मापेगा। इस डेटा से यह जानने में मदद मिलेगी कि समुद्र जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करता है। कैसे एक गर्म दुनिया झीलों, नदियों और जलाशयों को प्रभावित करती है और लोग किस तरह बाढ़ जैसी आपदाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकते हैं।नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि मानव जाति जलवायु परिवर्तन के कारण गर्म समुद्र, विषम मौसम और जंगलों की आग में वृद्धि का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है और स्वोट मिशन लंबे समय से प्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी का नतीजा है। इससे लोगों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए तैयार किया जा सकेगा। नासा के पृथ्वी विज्ञान विभाग के निदेशक करेन सेंट जर्मेन ने कहा कि यह उपग्रह दर्शाता है कि हम किस प्रकार विज्ञान और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से पृथ्वी पर जीवन में सुधार कर रहे हैं। उपग्रह से मिलने वाला डेटा यह समझने के लिए आवश्यक है कि पृथ्वी की हवा, पानी और पारिस्थितिक तंत्र कैसे परस्पर क्रिया करते हैं और लोग हमारे बदलते ग्रह पर कैसे नई परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। स्वोट मिशन द्वारा प्रदान किए जाने वाले कई लाभों में से पृथ्वी के ताजे पानी के जलाशयों की स्पष्ट तस्वीर होगी। यह दुनिया की 15 एकड़ (62,500 वर्ग मीटर) से बड़ी 95 प्रतिशत से अधिक झीलों और 100 मीटर से अधिक चौड़ी नदियों के बारे में डेटा प्रदान करेगा। स्वोट तटों के पास समुद्र के स्तर की भी जानकारी प्रदान करेगा। यह डेटा दीर्घावधि में शोधकर्ताओं को समुद्र के स्तर में वृद्धि को बेहतर ढंग से ट्रैक करने में मदद कर सकता है। यह सब जानकारियां इसलिए भी जरूरी हैं क्योंकि जल स्तर में वृद्धि सीधे तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और तटीय पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करेगी। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में कोलोराडो नदी घाटी में घटते जल स्तर से समूचा पश्चिमी अमेरिका प्रभावित है। गर्म क्षेत्रों के समुद्रों में लगातार पानी का वाष्पीकरण हो रहा है क्योंकि पूरे वर्ष बादलों का बहुत कम आवरण होने के कारण अधिक सौर विकिरण होता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, क्लाउड सीडिंग और खारे पानी को मीठा करने की तकनीकों को केवल सीमित सफलता मिली है। खारे पानी को मीठा करने के लिए दुनिया के कुछ क्षेत्रों में स्थापित किए गए संयंत्रों को नमकीन और भारी धातु से भरे अपशिष्ट जल के कारण स्थायित्व के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है।

भात के पड़ोसी देश विश्वास के लाकत नहीं, सतर्क रहे सरकार

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

एक दौर साल 1996 से लेकर 2006 तक वो भी था, जब नेपाल में सरकार और माओवादियों के बीच गृह युद्ध छिड़ा हुआ था और ऐसे समय में प्रचंड समेत कई माओवादी नेता भारत में रहे थे और तत्कालीन भारत की सरकार ने उनको संरक्षण दिया था !

समय - समय पर भारत के पड़ोसी देश भारत को दर्द देते आए है । भारत जितना इन देशों के समक्ष नरम रहता है ये देश उतना ही सर चढ़कर कोहराम मचाते है ।चीन, पाकिस्तान नेपाल बांग्लादेश और श्रीलंका ऐसे ही देश है जिनकी सहायता भारत गाहे बगाहे करता रहा है पर इन्होंने अवसर आने पर भारत के पीठ पर छुरा घोपने का कार्य किया है । माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड नेपाल के नए प्रधानमंत्री हुए । प्रचंड को नेपाल के 275 सांसदों में से 165 का समर्थन हासिल किया । नेपाल में सरकार बनाने के लिए प्रचंड की पार्टी सिपिएन एमसी ने पहले शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़ा और उसके बाद पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी सिपियन यूएमएल से गठबंधन कर लिया । नए गठबंधन की दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच रोटेशन पॉलिसी के आधार पर प्रधानमंत्री बनने पर सहमति बनी है । बातचीत के बाद पहले प्रचंड को प्रधानमंत्री बनाया गया है । इसके बाद केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री बनेंगे ! नेपाल के नए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड का भारत के साथ हमेशा थोड़ा खट्टा रिश्ता रहा है । इससे पहले भी प्रचंड दो बार नेपाल की सियासी कमान संभाल चुके हैं. उस दौरान उनका चीन से प्रेम किसी से नहीं छुपा था । इसके अलावा पिछले कार्यकाल के दौरान प्रचंड ने भारत को लेकर कई ऐसे बयान भी दिए, जो चुभने वाले थे ।जब साल 2009 में प्रचंड के हाथों से सत्ता चली गई थी तो उसके पीछे भी उन्होंने भारत के तत्कालीन यूपीए सरकार का हाथ बताया था ! दरअसल, नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड के भारत के साथ लंबे समय से संबंध रहे हैं । एक दौर साल 1996 से लेकर 2006 तक वो भी था, जब नेपाल में सरकार और माओवादियों के बीच गृह युद्ध छिड़ा हुआ था और ऐसे समय में प्रचंड समेत कई माओवादी नेता भारत में रहे थे और तत्कालीन भारत की सरकार ने उनको संरक्षण दिया था ! नई दिल्ली में समझौते के बाद पहली बार सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचे प्रचंड अब भारत के लिए अलग बयानबाजी करते दिखेंगे । नेपाल में जब माओवादियों के खिलाफ विद्रोह बढ़ गया तो भारत की ओर से प्रचंड समेत नेपाल के माओवादी नेताओं से शांति समझौते पर बात की गई. नवंबर साल 2006 में नई दिल्ली में माओवादियों की सात पार्टियों ने 12 सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किए । समझौता होने के बाद नेपाल में 12 सूत्री समझौते के आधार पर ही आम चुनाव का ऐलान किया गया । इस चुनाव में माओवादी नेताओं को जनता से भरपूर समर्थन मिला, जिसके बाद प्रचंड ने पहली बार नेपाल की सत्ता की कमान संभाल ली । साल 2008 से 2009 तक प्रचंड नेपाल के प्रधानमंत्री रहे । प्रचंड को मिली पहली सत्ता के पीछे भारत का अहम योगदान रहा, उसके बावजूद अपने पहले कार्यकाल में प्रचंड ने कुछ ऐसी चीजें कीं, जो भारत के गले से नीचे नहीं उतरीं । अब जब प्रचंड प्रधानमंत्री बनते ही भारत की जगह चीन पहुंच गए । दरअसल, नेपाल और भारत मित्र देश हैं । दोनों के बीच रोटी-बेटी का रिश्ता कहा जाता है. भारत के पांच राज्यों से नेपाल की सीमा जुड़ती है । प्रचंड के सत्ता संभालने से पहले तक नेपाल में जब भी कोई प्रधानमंत्री बनता था तो पहला आधिकारिक दौरा हमेशा भारत का करता था ।लेकिन प्रचंड ने यह परंपरा बदल दी और भारत की जगह चीन दौरे पर जाकर सबको चौंका दिया । प्रचंड ने इसके बाद भारत को लेकर कई ऐसे बयान दिए, जिससे दोनों देशों की सरकारों के बीच तनाव पैदा होने लगा. उसी बीच प्रचंड ने इतना तक कह दिया कि अब तक भारत और नेपाल के बीच जो भी समझौते या संधियां हुई हैं, उन्हें खत्म कर देना चाहिए या बदल देना चाहिए. बात और तब बिगड़ गई, जब प्रचंड सरकार ने तत्कालीन नेपाल आर्मी चीफ रुकमंगड़ कटवाल को पद से हटा दिया, जबकि भारत की सरकार इस फैसले से पूरी तरह नाखुश थी ! प्रचंड अक्सर अपने सार्वजनिक बयानों में भारत को घेरते हुए नजर आते थे. साल 2015 में नेपाल में जब भूकंप ने तबाही मचाई तो प्रचंड ने चीन से संबंध मजबूत किए. चीन की मदद से ही प्रचंड, केपी शर्मा समेत कई माओवादी नेता एक साथ आ गए. साल 2015 से 16 तक जहां केपी शर्मा ओली नेपाल के प्रधानमंत्री रहे तो साल 2016 से 2017 तक सरकार की कमान प्रचंड के हाथों में आ गई । इन्हीं सालों में नेपाल के कई हिस्सों में भारत का विरोध होने लगा । इसी दौरान राजधानी काठमांडू में एक बार प्रचंड ने भारत को लेकर विवादित बयान भी दिया. प्रचंड ने कहा कि नेपाल अब वो नहीं करेगा, जो भारत कहेगा ! साल 2017 में प्रचंड के हाथों से सत्ता नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा के हाथों में आ गई. कई सालों से सत्ता से दूर प्रचंड ने पिछले कुछ समय में भारत के साथ एक बार फिर संबंध सुधारने शुरू किए. जुलाई 2022 में प्रचंड ने भारत दौरा किया, जहां उनकी मुलाकात बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई । प्रचंड ने अपनी यात्रा को लेकर कहा कि वे बीजेपी के न्योते पर ही भारत आए हैं ।उल्लेखनीय है कि दिल्ली से लौटते समय प्रचंड ने कहा था कि हमारी कई ऐसे मुद्दों पर बातचीत हुई जो पिछले काफी समय से अनसुलझे हैं ।नेपाल में रहे पूर्व राजनयिकों का मानना है की नेपाल के लोगों के भारतीय लोगों के साथ काफी अच्छे संबंध रहे हैं, ऐसे में नेपाल की किसी भी सरकार के होने का कुछ फर्क भारत और नेपाल के रिश्तों पर नहीं पड़ना चाहिए । समझा जाता है की जहां तक नेपाल का संबंध है तो कोई भी देश अपने पड़ोसी से अच्छा व्यवहार और संबंध ही चाहता है, इसलिए कोई भी सरकार रहे, भारत के साथ संबंध ठीक रहना चाहिए क्योंकि यही दोनों राष्ट्रों के हित में है ! वैसे नेपाल के नए प्रधान मंत्री कट्टर माओवादी हैं और चीन के राष्ट्रपति और अन्य शीर्ष चीनी कम्युनिस्ट नेताओं से नेपाल के प्रधान मंत्री प्रचंड का काफी गहरा संबंध है !

सजी फिल्मी सितारों की महफ़िल नाइट क्लब 'द एम्फ' का उद्घाटन सम्पन्न

मायानगरी मुम्बई अपनी नाइट लाइफ़ के लिए जानी जाती है। मुम्बई की सबसे खास और सेंटर लोकेशन लोखंडवाला अंधेरी वेस्ट में स्थित एक एक्सक्लुसिव नाइट क्लब 'द एम्फ' का उद्घाटन पिछले दिनों बॉलीवुड के ढेर सारे सेलेब्रिटी गेस्ट्स की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। बॉलीवुड की चर्चित शख्सियत हेमा चौधरी के इस एक्सक्लुसिव नाइट क्लब की ग्रैंड ओपनिंग के अवसर पर मुकेश त्यागी, अंकिता पटेल, आद्या सिंह, विनी राणा, अर्शी खान, पायल घोष, गहना वशिष्ठ के अलावा बॉलीवुड के गणमान्य व्यक्तियों ने हेमा चौधरी को नए वर्ष के अवसर पर इस नई शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं वहीं हेमा चौधरी ने यहां आए सभी अतिथियों का दिल से आभार व्यक्त किया।म्युज़िक वीडियो 'तेज़ धार' के कारण हाल ही में चर्चा में आई सिंगर और एक्ट्रेस अनुपम शुक्ला ने हेमा चौधरी को इस नाइट क्लब के लिए खूब सारी शुभकामनाएं दीं और कहा कि अंधेरी वेस्ट लोखंडवाला की प्राइम लोकेशन में स्थित यह नाइट क्लब पार्टी करने वालों के लिए एक शानदार तोहफा है। यहाँ आते ही मुझे सकारात्मक और खुशगवार एहसास हुआ। यहां का डांस फ्लोर पर पार्टी करने का अपना मजा है।एक्ट्रेस अर्शी खान ने कहा कि यहां का माहौल मुझे काफी पॉज़िटिव लगा और मुझे उम्मीद है कि नए साल के अवसर पर लांच हुए इस नाइट क्लब की लोकप्रियता दिनप्रतिदिन बढ़ेगी।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

आओ भारत अमेरिका वैश्विक साझेदारी से मानव कल्याण का इतिहास रचें

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पिछले दो वर्षों से कोरोना महामारी के भयंकर प्रकोप से वैश्विक राजनीतिक के सभी क्षेत्रों को नए आयामों की ओर ले गया है, क्योंकि इस महामारी ने हर देश को आर्थिक रूप से झकझोर दिया है तथा भारी तादाद में मानवीय हानि को भी रेखांकित किया गया है, जहांवैश्विक महाशक्तियों के तेवर थोड़े ढीले पड़े हैं वही भारत कीवैश्विक प्रतिष्ठा अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। क्योंकि आज वैश्विक मंचों पर भारत बुलंद आवाज़ में अपनी बातें रख रहा है। या यूं कहें कि आज वैश्विक महाशक्तियों के बीच भारत भी एक महाशक्ति बनकर उभरा। जी-20 की अध्यक्षता इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, यही कारण है तमाम विकसित देशों से वैश्विक मंचों का ध्यान भारत पर आकर्षित किया है और उनकी बॉडी लैंग्वेजेस से भारत के प्रति अति सम्मान और प्रतिष्ठा में उछाल आया है जिससे मूल भारतीयों की भी पूछ परख बड़ी है, जिसके परिणाम हम ब्रिटेन के पीएम अमेरिका की उपराष्ट्रपति या फिर अन्य देशों के मुख्य पदों पर मूल भारतीयों के रूप में देख सकते हैं। भारत के रूस के साथ हमेशा से प्रगाढ़ संबंध रहे हैं परंतु अभी रूस-यूक्रेन युद्ध में जिस प्रकार भारत की भूमिका निष्पक्षता से रही है, वैश्विक मंचों में भारत वोटिंग से अब्सेंट रहा है तथा मध्यस्थता की भूमिका में भारत का नाम आगे चल रहा है उसके लिए हमें अब अमेरिका के साथ भी, दो कदम आगे बढ़ा कर आगे आना होगा और 2024 तक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़य बनाकर मानव कल्याण के लिए काम करने को रेखांकित करना समय की मांग हो चली है। चूंकि कुछ समय से अमेरिका के साथ भारत की सकारात्मक पहल हो रही है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से भारत अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को 2024 तक प्रगाढ़य करने पर चर्चा करेंगे ताकि मानव कल्याण का इतिहास रचा जा सके।

साथियों बात अगर हम भारत और अमेरिका की करें तो भारत विश्व का सबसे बड़ा और अमेरिका सबसे पुराना लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में मूल निवासियों की काफी लंबी तादाद है पिछली बार भारतीय पीएम के अमेरिका दौरे पर हम ट्रंप और भारतीय पीएम की केमिस्ट्री, वहां के मूल भारतीयों का उत्साह जोश देख चुके हैं ।वैसे वर्तमान राष्ट्रपति जो बिडेन का भी रुझान भारत के प्रति सकारात्मक रहा है। भारतीय पीम के प्रति उनकी बॉडी लैंग्वेजेस बताती है कि दोनों काफी अच्छी दोस्ती में सकारात्मक अंजाम की ओर बदलने में आतुर हैं, जिसे 2024 तक धरातल पर लाने की ज़रूरत है, जिससे दोनों देशों के साथ पूरे विश्व के लोक कल्याण का एक इतिहास रचा जा सकता है। लेकिन दूसरी ओर, उन्होंने हमारे क्षेत्रीय प्रभुत्व को बेअसर करने के लिए काम किया, विशेष रूप से पड़ोसी मुल्कके साथ कुछ समानता सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। भारत-अमेरिका संबंध द्विपक्षीय सहयोग साझा करते हैं। यह व्यापक-आधारित औरबहु-क्षेत्रीय है, जिसमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, उच्च-प्रौद्योगिकी, असैनिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्षप्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य शामिल हैं। अमेरिका भारत का सबसे व्यापक रणनीतिकसाझेदार है और दोनों के बीच सहयोग कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। वर्तमान परिदृश्य में, भारत-अमेरिका संबंध बहुत करीबी और अच्छे हैं। वास्तव में, भारत और अमेरिका एक साथ कई आयोजनों और सम्मेलनों में भाग लेते हैं और कई मुद्दों पर एक साथ खड़े होते हैं जैसे कि आतंकवाद का मुकाबला और दोनों आमतौर परपाकिस्तान के परमाणु हथियार कार्यक्रम के प्रति अविश्वास साझा करते हैं। भारत और अमेरिका अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे के साथ अपने विश्वास और दोस्ती का प्रदर्शन करते रहते हैं।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका संबंधों में चुनौतियों की करें तो ईरान और रूस से रियायती तेल आयात, अमेरिकी प्रतिबंधों की धमकियों के बावजूद रूस निर्मित एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली का सौदा, कुछ हद तक पाकिस्तान अमेरिका संबंध हालांकि अभी थोड़ी तनखी आई है, अमेरिका ने भारत को सामान्यकृत वरीयता प्रणाली (जीएसपी) कार्यक्रम से हटाना, डब्ल्यूटीओ विवाद, भारत का अमेरिका की प्राथमिक निगरानी सूची (आईपीआर) में शामिल होना, भारत के आंतरिक मुद्दों में नकारात्मक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग ने भारत को विशेष चिंता वाले देश (सीपीएस) के रूप में वर्गीकृत करनेकी सिफारिश इत्यादि जिसेद्वपक्षीयय बातचीत में सुलझाना कोई बड़ी बात नहीं है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी 2024 तक नए आयामों का इतिहास रचे। आओ भारत अमेरिका वैश्विक साझेदारी से मानव कल्याण का नया इतिहास रचें। भारत विश्व की महाशक्तियों के बीच शांति, सहयोग और विकास के मध्यस्तक की भूमिका वाली महाशक्ति के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है।

एडवोकेट किशन भावनानी

कविता (बदलाव)

हालात मत पूछिए
बदलते रहते हैं।
समय मत पूछिए
गुजरता रहता है।
मोहब्बत मत कीजिए
होती रहती है।
दिल्लगी मत कीजिए
दिलदार औरो से भी
दिल लगाते रहते हैं।
परिस्थिति मत देखिए
स्थिति बदलती रहती है।
हमसफर जल्दी
मत बनाइए
हमराही बदलते रहते हैं।

राजीव डोगरा

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

विश्व प्रसिद्ध हो रहा है बाला जी मंदिर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर भारत मे स्थित सलेमपुर, रूमा स्थित बाला जी का मंदिर आज कानपुर के प्रतिष्ठित मंदिर के रूप मे पहचान बन गई है आज नये वर्ष के पहले दिन हजारो लोगो ने मंदिर के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।आज बाला जी मंदिर के आजीवन सदस्य रहे जग महेंद्र अग्रवाल ने बातचीत मे बताया इस मंदिर की स्थापना 1994 मे हुई थी आज इस मंदिर मे आकर लोग अपनी अपनी मनोकामना मागने दूर दूर से लोग आते है, इस मंदिर परिसर मे ही निशुल्क सिलाई सिखाई जाती है।जल्द ही वेद विघालय खुलकर वैदिक संस्कृति का उपयोग करके एक नये युग मे प्रवेश किया जा रहा है।

5 जनवरी से 4 फरवरी तक कानपुर नगर में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सुरक्षित एवं सुगम यातायात तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए दिनांक 5 जनवरी से 4 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाए जाने का निर्देश प्राप्त हुए, जिसके क्रम में आज विकास नगर डिपो एलेन फॉरेस्ट कानपुर नगर में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ जिलाधिकारी श्री विशाख जी0 द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कानपुर जनपद चारों तरफ से नेशनल हाईवे से घिरे होने के कारण यातायात नियमों के प्रति लोगो को जागरूक होने की बहुत जरूरत है, पिछले वर्ष 618 लोगो की मृत्यु एक्सीडेंट के कारण हुई थी। यातायात नियमों का पालन ना करने के कारण लोग दुर्घटना के शिकार होते हैं। सभी लोगो को यातायात नियमों का पूर्ण पालन करते हुए सीट बेल्ट ,हेलमेट आदि

का प्रयोग करना एवं अन्य सभी नियमों का पालन करना चाहिए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नही करना चाहिए।

नशे की हालत में वाहन को बिलकुल भी न चलाए। उन्होंने कहा कि इस यातायात माह में सभी जनमानस को यातायात के नियमों एवं सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करने के लिए यातायात विभाग द्वारा प्रतिदिन रोस्टर के अनुसार अलग अगल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है इस यातायात सड़क सुरक्षा माह को एक जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित करना है ।जिलाधिकारी ने एनसीसी कैडेट कोर के छात्रों से कहा कि आप लोग अपने आसपास के लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें।इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा सड़क पर एक्सीडेंट के दौरान घायल की मदद कर घायल को अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने वाले श्री एस पी सिंह और डॉक्टर संजय कुमार सिंह को सम्मानित किया ।तत्पश्चात जिलाधिकारी ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें ऑटो रिक्शा,ई रिक्शा के वाहनों पर यातायात जागरूकता हेतु बैनर व पोस्टर लगाए गए थे। यह प्रचार वाहन माह भर जिले के विभिन्न स्थानों पर जाकर यातायात नियमों के बारे में जागरूक करेंगे । सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन श्री सुधीर वर्मा, एआरटीओ उदयवीर सिंह ,सुनील दत्त, अंबुज और मानवेंद्र सिंह के अलावा बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री सुरजीत सिंह,जिला विद्यालय श्री मुन्नी लाल जी पुलिस उपायुक्त यातायात श्री तेज स्वरूप सिंह जी, पीडब्ल्यूडी राकेश सिंह,सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

कानपुर में 'कंटाप कांड', दारोगा ने थाने में बीजेपी नेता को पीटा,वीडियो वायरल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. दरअसल यहां एक दारोगा ने बीजेपी नेता को थाने के अंदर ही पीट दिया. दारोगा ने बीजेपी नेता को कई थप्पड़ जड़े. दारोगा ने बीजेपी नेता के साथ ऐसी बदसलूकी तब की जब वह किसी मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचे थे. हालांकि, मौके पर मौजूद किसी शख्स ने थाने में बीजेपी नेता की पिटाई का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया. अब कानपुर में हुई बीजेपी नेता की पिटाई का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है.

थाने में बीजेपी नेता की पिटाई

बता दें कि कानपुर में एक दारोगा ने थाने के अंदर पहले बीजेपी नेता को पीटा और फिर उन्हें लॉकअप में डाल दिया. इसके बाद नाराज सैकड़ों बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस स्टेशन को घेर लिया और अपने नेता को छोड़ने की मांग करने लगे. बीजेपी कार्यकर्ताओं ने थाने में धरना प्रदर्शन किया.

वायरल वीडियो में दिख रही बदसलूकी

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी बीजेपी नेता को पीट रहा है. पहले दोनों में बातचीत हो रही होती है. फिर दारोगा उस शख्स को पीटने लगता है. पिटाई के बाद दारोगा उस व्यक्ति का फोन भी छीनने लगता है जिससे वीडियो रिकॉर्ड किया जा रहा था.

दारोगा और चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

हालांकि, मामला बढ़ने के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है और आरोपी चौकी इंचार्ज आनंद पांडे व दारोगा आशीष को लाइन हाजिर कर दिया है. बीजेपी नेता को पीटे जाने के मामले में ये कार्रवाई हुई है, ष्टक्कनौबस्ता ने पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है.एसीपी नौबस्ता अभिषेक पांडे ने कहा कि एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पुलिसकर्मी द्वारा एक व्यक्ति को पीटा जा रहा है. घटना की जांच की गई है. प्रथम दृष्टया इस केस में दो निरीक्षकों को लाइन हाजिर कर दिया गया है.

एक सौ ग्यारह भक्त श्री श्याम निशान ध्वज यात्रा लेकर निकलेगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्री श्याम बिहारी जी कृपा मण्डल कानपुर अपना चतुर्थ श्री श्याम महोत्सव मना रहा है।06 जनवरी दिन शुक्रवार को अग्रसेन स्मृति भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता ने बताया कि श्री श्याम बिहारी जी कृपा मण्डल कानपुर दो दिवसीय श्याम महोत्सव मना रही है। प्रथम दिवस 07 जनवरी को श्याम निशान धज यात्रा अपराहन 11 बजे निकालेगी जिसमें श्याम बाबा के एक सौ ग्यारह भक्त निशान धज ले कर चलेंगे। जिसमें कि श्याम बाबा की व बिहारी जी की झाँकी रहेगी। पूरे निशान यात्रा मार्ग में श्याम प्रभू का गुणगान करने हुये भक्त चलेंगे। यात्रा का विश्राम फील खाना श्याम मन्दिर में होगा। मुख्य उत्सव 08 जनवरी रविवार को द बृज

होटल में श्याम प्रभू का आलौकिक श्रृंगार कलकत्ता से आये विशेष फूलों के द्वारा किया जायेगा अखण्ड जोत प्रजलित कर बाबा को छप्पन भोग अर्पित कर श्रृंगार दर्शन होंगे। तत्पश्चात् भक्ति रस की गंगा समस्तिपुर बिहार से पधारी रेशमी शर्मा कलकत्ता से सौरभ शर्मा अपने शहर कानपुर की कोमल तिवारी कुमार स्वर्ण अभिषेक शुक्ला आदि सुप्रसिद्ध भजन गायक अपने मनमोहक भजनों से बाबा के भक्तों को झूमने में मजबूर करेंगे। समस्त कार्यक्रम खाटू श्याम मन्दिर के महन्त दिगविजय सिंह चौहान के पावन सानिग्न में सम्पन्न होंगे। श्री श्याम महोत्सव में श्याम बाबा को इत्र बर्सा कर रसिक जन रिझायेंगे। वहीं गजरा व धमाल मस्ति के साथ श्याम बाबा को अपनी पुष्पांजलि अर्पण करेंगे। महाउत्सव का समापन श्याम प्रभू की महा आर्ति के साथ किया जायेगा। भक्तों के लिये श्याम रसोई के द्वारा बाबा का प्रसाद मिलेगा। पत्रकार वार्ता संस्था के संस्थापक अमर मोदी नीरज ओमर अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, महामंत्री राज अग्रवाल कोषाध्यक्ष रवीन्द्र देश्य संस्कृतिक मंत्री यश ओमर व ज्ञानेन्द्र विश्नोई प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गांव में मुख्य मार्ग पर सौर ऊर्जा की लाइट लगवाने की मांग की

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नेशनल झांसी कानपुर राजमार्ग पर स्थित गांव पिरौना में आने जाने के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है जिसको देखते हुए पिरौना निवासी हरिश्चंद्र पांचाल ग्राम पंचायत सदस्य ने जिला अधिकारी को अवगत कराया कि सूर्या लाइटों को मुख्य मार्ग पर जगह-जगह लगवाने की मांग की है पांचाल ने साथ ही बताया कि कई गांव को लोगों का आवागमन बना रहता है और रात्रि के समय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है अधेरा होने के कारण क्षेत्र में कई बार चोरी जैसी वारदातें हो चुकी हैं जिससे ग्रामीणों को भय बना हुआ है इसके लिए पिरौना गांव की मुख्य मार्ग पर व बसस्टैंड पर जगह-जगह सौर ऊर्जा की लाइटें लगवाने की मांग की है ।

थाने स्तर के अपराधियों से ही विधायक के खिलाफ मुकदमे लिखाए गए

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सपा विधायक इरफान सोलंकी के मामले में पहली बार उनकी पत्नी नसीमा सोलंकी खुलकर सामने आई हैं। शुक्रवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने सरकार, पुलिस कमिश्नर और ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर का धन्यवाद कर सबको हैरत में डाल दिया। उनका कहना था कि विधायक के खिलाफ आए 52 शिकायतों में पुलिस ने सही तरीके से जांच की। बता दें कि पुलिस ने विधायक के खिलाफ आये ज्यादातर प्रार्थना पत्रों को फर्जी पाया है।विधायक इरफान का पक्ष रखने के लिए हाईकोर्ट के अधिवक्ता गौरव दीक्षित ने मीडिया के सामने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि थाने स्तर पर तैनात इंस्पेक्टर ने उच्चाधिकारियों को गुमराह किया है। थाने स्तर के अपराधियों से ही विधायक के खिलाफ मुकदमे लिखाए गए हैं। थाना स्तर पर पुलिस और अपराधियों के ने इरफान को बड़ा अपराधी बनाया। अपराधी अकिल अहमद पर रंगदारी के खिलाफ 4 मुकदमे दर्ज हैं। उसने इरफान सोलंकी के खिलाफ मुकदमा लिखाया है।

- योगी आदित्यनाथ और सरकार की जमकर की तारीफ

अधिवक्ता ने सीएम योगी आदित्यनाथ और सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि योगी पूरे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं,वो एक कम्युनिटी के नहीं हैं। अधिवक्ता ने कहा कि पुलिस के पास किसी भी रिकॉर्ड में नहीं है कि एयरपोर्ट पर इरफान ने आधार कार्ड ही दिखाया था। पुलिस की ये कहानी पूरी तरह फर्जी है। पुलिस के पास कोई सीसीटीवी रिकॉर्डिंग तक नहीं है। एयरपोर्ट पर 5 आईडी के जरिए यात्रा कर सकते हैं। लेकिन पुलिस ने सिर्फ फर्जी आधार दिखाया। यात्रा के दौरान आईडी सिर्फ दिखाई जाती है, कहीं भी जमा नहीं करनी पड़ती है।

- जेल में स्वास्थ्य को कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा

विधायक को स्पाइन और स्टोन की प्रॉब्लम है। पत्नी ने कहा कि उन्हें अस्थमा की समस्या है। डॉक्टर ने जेल में उनके स्वास्थ्य को लेकर गई जांचे लिखी गईं, लेकिन सिर्फ एक जांच कराई गई। उन्हें जेल में गद्दा और कंबल तक नहीं दिया जा रहा है। जेल मैनुअल आधार पर उनका कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है।बताया कि,जाजमऊ प्लॉट पर आगजनी मामले में जो एफआईआर लिखाई गई। उस मामले में 15 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई थी। 3 लाख रुपए बैंक अकाउंट में दिए गए थे। बाकी रकम कैश दी गई थी।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने किया वीसी, कहा ब्लैक स्पॉट चिन्हित करे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सड़क सुरक्षा माह के दूसरे दिन जनपद में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन के नेतृत्व में एजेंसियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के लिए पीडब्ल्यूडी मंत्री के द्वारा वीसी किया गया । प्रशिक्षण के दौरान संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने कहा कि एजेंसियों को अपनी यहां यातायात के नियमों का बैनर लगवाए,वाहन स्वामी को निर्देशित करे कि वहां सीट बेल्ट, हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाए। मंत्री पीडब्ल्यूडी ने निर्देशित किया कि ब्लैक स्पॉट का चयन करते हुए उन पर शीघ्र करवाई करे।इसके अलावा संभागीय परिवहन कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ईएसआईसी अस्पताल के पुन: शुभारंभ को लेकर श्रम एवं रोजगार मंत्री से मिले सांसद सौंपा पत्र

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिले के 80 हजार कर्मचारियों को ईएसआईसी चिकित्सीय सुविधाएं दिए जाने को लेकर कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 2 वर्ष पूर्व 376 करोड़ रुपए की लागत से पांडुनगर में 300 बेड वाला सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का नया भवन बन कर तैयार तो होगया पर रखरखाव के अभाव व दिल्ली कॉरपोरेशन मुख्यालय द्वारा इस ओर गंभीरता ना दिखाए जाने के चलते इस ईएसआईसी अस्पताल में चिकित्सीय सेवा योजना आजतक शुरू नही हो सकी। वर्ष 2016 में 376 करोड़ की लागत से इस अस्पताल का शिलान्यास हुआ था । यह जानकारी दिल्ली प्रवास के दौरान नगर सांसद सत्यदेव पचौरी ने श्रम एवं रोजगार मंत्री भारत सरकार भूपेंद्र यादव से हुई मुलाकात के दौरान कही । उन्होंने मंत्री से मुलाकात के दौरान नगर में ईएसआईसी चिकित्सीय सेवा यथा शीघ्र प्रारंभ किए जाने का अनुरोध किया है ताकि हजारों श्रमिको वा उनके आश्रित परिवारों को चिकित्सीय सुविधा से स्वास्थ लाभ मिल सके ।

श्री पचौरी ने श्रम एवम रोजगार मंत्री से पत्र के माध्यम से पांडु नगर स्थित ईएसआईसी अस्पताल के वर्तमान हालातो से वाकिफ करवाते हुए उनका ध्यान आकर्षित करते हुए बताया की करोड़ों के लागत से उक्त अस्पताल के नवीनीकरण के बावजूद चिकित्सीय उपकरणों के अभाव, चिकित्सकों एवम पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती न होने के चलते हजारों श्रमिको को इस अस्पताल से चिकित्सीय सुविधा नही मिल पा रही है ।

श्री पचौरी ने बताया की पांडु नगर ईएसआईसी चिकित्सीय अस्पताल के संचालित होने से बुंदेलखंड , झांसी, हमीरपुर, फतेहपुर सहित आसपास के जिलों के गरीब तबके के लोगो को मिलने वाली चिकित्सीय सुविधा नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने बताया की सही रखरखाव के अभाव में इसकी पुन: मरम्मत की नौबत आगयी 2 वर्ष पूर्व इस अस्पताल को जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज द्वारा लिए जाने की योजना भी सिर्फ हवाहवाई हो रही है । श्री पचौरी ने मंत्री के संज्ञान लाया की वे बीते 2 वर्षो पूर्व 2021 में भी विभागीय मंत्री से मिले थे और इस विषय पर हुई वार्ता के साथ ही उक्त मुद्दे को सांसद सत्र के दौरान भी उठाया था। पर दिल्ली स्थित कॉरपोरेशन मुख्यालय में पांडूनगर (ई.एस.आई.सी.) चिकित्सीय सेवा की शुरू किए जाने पर केवल मंथन ही चलता रहा। पर कोई गंभीरता नही दिखाई गई। श्री पचौरी ने श्रम एवम रोजगार मंत्री से शुक्रवार को हुई मुलाकात में दिए गए पत्र के माध्यम से पांडु नगर स्थित (ई.एस.आई.सी.) चिकित्सीय अस्पताल को यथा शीघ्र प्रारंभ किए जाने का आग्रह किया है ताकि सिर्फ जिले के श्रमिक ही नही बल्कि आसपास के अन्य जनपदों से इलाज के लिए शहर आने वाले लोगो को चिकित्सीय सुविधाएं मिल सके।

कड़ाके की ठण्ड का फसलों पर बचाव कैसे किया जाय पर हुई विस्तृत चर्चा

बीपीएस न्यूज-कानपुर । अनुसंधान उत्तर प्रदेश लखनऊ डॉ.देवेश चतुर्वेदी के कार्यालय लोक भवन लखनऊ में जलवायु परिवर्तन एवं प्रदेश में हो रही कड़ाके की ठंड का फसलों और पशुओं पर प्रभाव के साथ बचाव कैसे किया जाये पर विस्तृत चर्चा की गई । उक्त बैठक में डा0यस0यन0सुनील पांडेय कृषि मौसम वैज्ञानिक चंद्र शेखर आज़ाद कृषि यूनिवर्सिटी एवं कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश भी भी शामिल हुए। एक किसान प्रतिनिध मण्डल से भी मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और निदान करने का आस्वासन दिया। किसानों के लिए पाला एवं ठंड से बचाव हेतु सुझाव /सलाह(एडवाइजरी) जारी करने के निर्देश अपर मुख्य सचिव द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारीयों और वैज्ञानिको को दिए गए।

अनोखा मामला : घर से बड़े भाई की चढ़ी बारात लेकिन छोटे भाई की हुई शादी

उत्तर प्रदेश के संभल में एक शादी का मामला सामने आया है जिसमें घर से बारात तो बड़े भाई की निकली लेकिन शादी हुई छोटे भाई की. दरअसल संभल के सैदनगरी थाना क्षेत्र के हरियाना गांव में एक युवक का निकाल 5 साल पहले हुआ था लेकिन अब पति-पत्नी दोनों अलग रह रहे थे. पति ने पत्नी से छिपकर असमोली थाना क्षेत्र के दबोई खुर्द गांव की रहने वाली युवती के साथ रिश्ता तय कर लिया.

दूल्हे की पहली पत्नी मौके पर पहुंची

सब कुछ युवक के प्लान के हिसाब से ही चल रहा था. युवक की बारात धूमधाम से निकली और दुल्हन के परिजनों ने बारात का शानदार स्वागत किया. इसके बाद निकाह पढ़ा गया. निकाह की रस्म पूरी होने के कुछ घंटे बाद ही मौके पर युवक की पहली पत्नी अपने बच्चों के साथ पहुंच गई. महिला ने सबके सामने युवक पर गुपचुप तरीके से दूसरी शादी करने का आरोप लगया. इस बीच पुलिस को भी फोन कर बुला लिया गया. पुलिस दोनों पक्षों को असमोली थाने में ले गई.

गांव के अन्य लोग भी थाने पहुंच गए और फिर थाने में ही एक समझौता हुआ जिसके तहत दुल्हा-दुल्हन का तलाक करवाया गया और पिर दुल्हे के छोटे भाई से लड़की की शादी करवा दी गई.

चर्चा का विषय बना यह मामला?

यह पूरा मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. मीडिया रिपोट्स के मुताबिक लोगों का यह भी कहना है की दबोई खुर्द गांव में लड़की का निकाह पहले से ही युवक के छोटे भाई से ही हुआ था लेकिन महिला ने बेवजह मौके पर पहुंचकर विवाद खड़ा किया था.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक असमोली थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि विवाद की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और दोनों पक्षों को थाने ले आई थी. जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच फैसला हो गया है और आरोपी युवक के छोटे भाई के साथ ही दुल्हन विदा हुई है. उन्होंने यह भी कहा कि दोनों ही पक्षों की तरफ से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली थी.

वाह रे सर्दी! मां ने नहाने के लिए कहा तो लड़के ने फोन करके पुलिस बुला ली, और फिर...

नहाने के लिए कहा तो

दरअसल, यह घटना उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले की है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना अक्खापुर इलाके की है यहां की एक महिला ने अपने बेटे को नहाने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया, पिता के डांटने से नाराज बेटे ने 112 पर फोन करके पुलिस बुला ली. बेटे ने पुलिस को बताया कि उसे इतनी कड़ाके की सर्दी में जबरदस्ती नहलाया जा रहा है.

सर्दी का मौसम चल रहा है और देश के कई इलाकों में तो इतनी ठंड है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं. इसी बीच एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक बच्चे ने अपनी ही मां के खिलाफ शिकायत करते हुए पुलिस बुला ली. बच्चे ने शिकायत कर दी कि उसे जबरदस्ती नहलाया जा रहा है. इतना ही नहीं पुलिस पहुंच भी गई तब जाकर पूरा मामला सामने आया.

वहां पुलिस की टीम पहुंची तो..

इतना ही नहीं उसने यह भी कहा कि उसके बाल भी जबरदस्ती कटवाए गए हैं. इसके बाद जब वहां पुलिस की टीम पहुंची तो सब हैरान रह गए और सबकी हंसी छूट गई. फिलहाल किसी तरह बच्चे को समझाकर पुलिसकर्मी वहां से वापस लौट गए लेकिन यह मामला अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है. बताया जा रहा है कि बच्चे ने अपने स्टाइल में बाल कटवाने की जिद पकड़ ली थी लेकिन उसका पिता अपने तरीके से बाल कटवाना चाहते थे. फिर उसी समय बच्चे की मां ने उसको नहाने के लिए बोला लेकिन बच्चे ने सर्दी का बहाना लेकर मना कर दिया. इस पर पिता ने डांट लगा दी और उसने नाराज होकर पुलिस को फोन कर दिया. पुलिस के आने के बाद आसपास के लोग और ग्रामीण एकत्र हो गए. आखिर में बच्चे को समझा बुझाकर शांत किया गया.

सर्वश्रेष्ठ और प्रसिद्ध फ़ूड आइटम्स कानपुर कोर्ट पर उपलब्ध कराई जाएगी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम के सहयोग से कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पालिका स्टेडियम और बृजेंद्र स्वरूप पार्क के पास खुली जगह में कानपुर फूड कोर्ट (केएफसी) ला रहा है। नगर निगम ने फूड कोर्ट स्थापित करने के लिए इस क्षेत्र को चिन्हित किया है। यह कानपुर के लिए एक नई कॉन्सेप्ट है जिसमें कानपुर शहर और आस-पास के क्षेत्रों की सर्वश्रेष्ठ और प्रसिद्ध फ़ूड आइटम्स कानपुर फ़ूड कोर्ट पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

इसे इंदौर के छप्पन दुकान और कोलकाता के मिष्टी हब की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।कानपुर स्मार्ट सिटी ने इस पर काम करना शुरू कर दिया है, आयुक्त कानपुर एवं नगर आयुक्त ने नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी टीम के साथ कार्य स्थल का दौरा किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की अभी तक परियोजना की भौतिक प्रगति 25 प्रतिशत है। लैंड डेवलपमेंट कार्य चल रहा है। परियोजना को अगले 4 महीनों (अप्रैल तक) में पूरा करने की योजना है। कानपुर फूड कोर्ट (केएफसी) में फूड लवर्स के लिए उपलब्ध महत्वपूर्ण विशेषताएं और सुविधाएं हैं, लगभग 62 खान-पान की दुकानें एक स्थान पर स्थापित की जाएंगी।वे लोहे की चादरों या फाइबर की चादरों से बने खोखे के रूप में होंगे जो प्रकृति में अस्थायी सेट अप के रूप में लगाये जाएँगे। सभी प्रसिद्ध और विशिष्ट खाद्य पदार्थ (फ़ूड आइटम्स) जैसे मिठाई, चाट, नमकीन, कुल्फी, चाय, पान और अन्य फास्ट फूड एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। क्षेत्र में 50 कारों और 100 मोटर बाइक के लिए पर्याप्त पार्किंग की योजना बनाई गई है और उस पर कार्य चल रहा है। यदि आवश्यक हो, तो भविष्य में और अधिक संख्या में बढ़ाया जा सकेगा 7 सेंट्रल सिटिंग एरिया, ग्रीन एरिया, बच्चों के लिए फन जोन, इस क्षेत्र में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय ब्लॉक की योजना बनाई गई है। पूरा होने के बाद सेट को तीसरे पक्ष द्वारा संचालन और प्रबंधन (ओ एंड एम) के आधार पर चलाया जाएगा। केएफसी के प्रभावी प्रबंधन और संचालन के लिए सीईओ स्मार्ट सिटी की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति होगी जिसमें अपर नगर आयुक्त, मुख्य खाद्य निरीक्षक और डीएम द्वारा नामित एक अधिकारी सदस्य होंगे।आवश्यकता को देखते हुए, आयुक्त ने आंतरिक सड़क को दो लेन से अब 4 लेन तक चौड़ा करने का भी निर्देश दिया ताकि यह केएफसी और पालिका स्टेडियम (टीएसएच) के लिए यातायात को प्रभावी ढंग से संभाल सके। क्षेत्र के सुचारू कामकाज और सुरक्षा के लिए अस्थायी धातु या फाइबर शीट के साथ एक छोटा प्रबंधन कार्यालय और पुलिस चौकी के लिए एक स्थान भी स्थापित किया जाएगा मेक शिफ्ट कियोस्क के आसपास और पार्किंग क्षेत्रों के पास लैंड स्केप और पौधों के साथ हरियाली विकसित की जाएगी।

बेसहारा युवतियों को अगवा कर बेचने वाले गैंग के एक महिला सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

लाखों की कमाई करता था गैंग, पुलिस ने बदायूं से किशोरी को किया बरामद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रायपुरवा पुलिस ने शनिवार को युवतियों को अगवा कर बेचने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर एक महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने अब तक आधा दर्जन से ज्यादा लड़कियों को बहला-फुसला कर अलग-अलग शहरों में बेचने की बात कबूली। पुलिस और सर्विलांस टीम अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और बेची गयी युवतियों की बरामदगी का प्रयास कर रही। पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि वह पेशान, दुखी और बेसहारा युवती को देखकर उसका हमदर्द बनते।इसके बाद वह उनके आंसू पोछते और सहारा बनकर बेच देते थे।

नवंबर माह में रायपुरवा थाना क्षेत्र से एक किशोरी नाराज होकर दूध लेने के बहाने घर से चली गई। इस पर परिजनों ने पड़ोसी युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया। इधर,पुलिस ने जांच के दौरान आरोपियों को अनवरगंज रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पुलिस ने बदायूं से किशोरी को बरामद कर लिया।

बिहार व शाहजहांपुर में भी कर चुके वारदात

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने शहर के अलावा बिहार व शाहजहांपुर में भी युवतियों को अगवा कर बेचने की की बात कबूली है। अब कानपुर पुलिस बिहार व शाहजहांपुर पुलिस से संपर्क कर आगे की कार्रवाई में जुट गई

आरोपियों ने बताया कि वह धर्म छिपाकर युवती-महिलाओं को बहलाते फुसलाते। वह रेलवे स्टेशन,बस अड्डे,बाजार या किसी अन्य स्थान पर परेशान युवती से गैंग के सदस्य बात करते। इसके बाद महिला के सहारे लड़की से बात करते और सहारे बनने की दिशा दिखाकर युवती को बेच देते। एक युवती को बेचने के एवज में उन्हें 50-60 हजार रुपये मिल जाते। आरोपियों ने अब तक इसी तरह कई युवतियों को अगवा करके बेचने की बात कबूली।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

इकबाल उर्फ राजू पुत्र इश्लाम निवासी ग्राम सराय अगहत, थाना नयागांव जिला एटा,धनपाल पुत्र हरदयाल निवासी हरेंडी थाना उसहैत जिला बदायूँ,गुड्डू पुत्र सूरजपाल निवासी भकरौली थाना उसहैत जिला बदायूँ,हरि सिंह पुत्र रामस्वरूप निवासी नई बस्ती भौती कीलापुर थाना मिर्जापुर जिला शाहजहाँपुर,नत्थूलाल पुत्र झंडुलाल निवासी कालिया काजिमपुर थाना कुँवरगांव जिला बदायूँ,चांदनी उर्फ पूजा पत्नी इकबाल उर्फ राजू निवासी सराय अगहत थाना नयागांव जिला एटा है।

कोहरा और बर्फीली हवाओं की वजह से ठंड के कहर से कांपे शहरवासी

न्यूनतम तापमान रहा 2 डिग्री सेल्सियस, बढ़ेगी ठंड

बीपीएस न्यूज

कानपुर।कानपुर में एक सप्ताह से पड़ रही भीषण ठंड ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। छह जनवरी की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही। इतना ही नहीं इस दिन 20 साल बाद ऐसी ठंड पड़ी है। कानपुर में शनिवार भोर को न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।आज से करीब 20 वर्ष पहले 2002 में महानगर में रात का पारा 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।सीएसए मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को दिन में धूप निकलने के बावजूद कोहरा और बर्फीली हवाओं की वजह से ठंड बरकरार रही। एक दिन पहले न्यूनतम पारा 3.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। जिसमें 1.2 की कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अभी ठंड में और इजाफा होगा। बीच-बीच में कुछ देर के लिए धूप निकल सकती है।उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं का असर ज्यादा रहा।जिससे पूरे दिन कंपकंपी बनी रही। लोगों को दो पहिया वाहन चलाने में भी दिक्कत आई। मौसम विभाग प्रमुख डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता अगले दो-तीन दिनों के बाद हो सकती है। तब बादल होने से तापमान थोड़ा बढ़ने की संभावना है।मौसम विभाग के अनुसार 10 जनवरी तक पाला पड़ने की संभावना है। यह स्थिति तब होती है जब आसमान साफ हो जाता और तापमान कम हो जाए।

पाला गेहूं, जौ, सरसों, जीरा, धनिया, सौंफ, अफीम, मटर, चना, गन्ना,टमाटर, बैंगन को 35 से 60 प्रतिशत तक नुकसान पहुंचा सकता है।

वैक्सीन प्रीवेंटल डिजीज का विशेष अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनवरी (निस)। एक भी नवजात बच्चा टीकाकरण से छूटे नहीं। साथ ही साथ जिन बच्चों का अब तक किसी भी कारण से टीकाकरण नहीं हुआ है। उन बच्चों को आशा कार्यकर्ता व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता टीकाकरण केन्द्र पर ले जाकर टीका लगवाएं। यह बातें शनिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी परिसर में आयोजित जिला टास्क फोर्स की बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन ने कहीं।इसमें वैक्सीन प्रीवेंटल डिजीज (टीकाकरण के माध्यम से बचाव की जा सकने वाली बीमारियां) के उन्मूलन को लेकर 9 जनवरी से प्रारंभ होकर 20 जनवरी तक चलाए जाने वाले विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने रणनीति बनाई गई सीएमओ ने कहा कि संक्रमण को देखते हुए टीकाकरण को विशेष महत्व दिया जा रहा है। यह तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण 9 से 20 जनवरी तक चलेगा। दूसरा 13 से 24 फरवरी और तीसरा चरण 13 से 24 मार्च तक चलेगा। इसमें आशाओं द्वारा चिन्हित किए गए शून्य से पांच साल तक के बच्चों का टीकाकरण किया जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी लोग समन्वय बनाकर काम करें।जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एके कन्नौजिया ने बताया कि टीका बारह प्रकार की बीमारियों से सुरक्षित रखता है। पोलियो, काली खांसी, टीबी, हेपिटाइटिस बी, निमोनिया, गला घोटूं, दिमागी बुखार, टिटनेस, हिब, डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव करता है। शून्य से पाँच साल के सभी बच्चों एवं गर्भवती को टीका

लगना जरूरी है। बैठक में उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जसबीर सिंह ने बताया की समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे सभी शून्य से पांच 5 वर्ष तक के बच्चों को सूचीबद्ध कर उनकी टीकाकरण स्थिति का आंकलन करते हुये छूटे हुये बच्चों को चिन्हित किया गया है।इस अभियान में टीकाकारण के प्रति उदासीन परिवारों के बच्चों का टीकाकरण पर फोकस रहेगा, जिससे सभी छूटे हुए बच्चो का शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्य में ब्लॉक रिस्पॉन्स टीम का रोल अहम होगा,साथ ही कम्युनिटी इनफ्लुएंसर(प्रभावशाली व्यक्ति) और राशन डीलर का भी सहयोग लिया जाएगा द्य प्रत्येक सप्ताह टीकाकरण प्रगति समीक्षा की जाएगी द्य बैठक में सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी प्रखर सक्सेना , विश्व स्वास्थ्य संगठन से डॉ बृजेन्द्र सिंह, डॉ जीतेन्द्र चौहान, यूएनडीपी से धनन्जय श्रीवास्तव और धनन्जय सिंह सहित यूनिसेफ के क्षेत्रीय समन्वयक फुजैल व सभी ब्लाकों के चिकित्सा अधीक्षक और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

चलाया गया गंगा को साफ रखने का जन जागरूकता अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय सेना की 137 सीआईटीएफ टी ए बटालियन 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने कानपुर निगम स्थित ग्राम पंचायत कटरी लोधवपुरवा के ग्राम बड़ा मंगलपुर कानपुर नगर में गंगा स्वच्छता के लिए जन जागृत अभियान चलाया इस अवसर पर ग्राम के मुख्य अतिथि प्रधान निर्मला निषाद ग्राम के सदस्य गोविंद निषाद उपस्थित रहे इस समय गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार समरजीत सिंह और अन्य 10 जवान मौजूद रहे गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेद व्रत वैद्य दिशा निर्देशन पर गंगा सफाई की जागरूकता अभियान घाट स्वच्छता पौधरोपण विगत 4 सालों से चलाया जा रहा है इस अवसर पर ग्राम में गंगा तट पर समस्त ग्रामीण ग्राम वासियों को एकत्रित करके गंगा को साफ रखने के लिए प्रेरित किया और सभी को गंगा संकल्प दिया गया इस कार्यक्रम में कटरी लोधवपुरवा ग्राम के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे गांव के प्रधान निर्मला निषाद ने गांव वालों को गंगा को साफ रखने के लिए हिदायत दिये और प्रेरित किया।

परिषद् ने किया चाय वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर, । जनवरी (निस)। भारत विकास परिषद्, रामकृष्ण शाखा द्वारा कड़ाके की सर्दी में आम जन को राहत देने के उद्देश्य से चाय वितरण कार्यक्रम का आयोजन ईश्वर प्रेम आश्रम,केशव नगर (नौबस्ता बी जे पी कार्यालय के सामने) आयोजित किया गया। सड़क से गुजरने वाले राहगीरों, ई रिक्शा चालकों, आटो चालक,आस पास की झोपड़ी में रहने वाले मजदूरो,ठिलिया वालो आदि को मिला कर हजारों की संख्या में लोगो ने चाय पीकर राहत महसूस की। सचिव राजेन्द्र अवस्थी ने बताया कि भारत विकास परिषद् रामकृष्ण शाखा द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन करती रहती है चाय वितरण में प्रमुख जयराम दुबे, वी के दीक्षित, श्याम बिहारी शर्मा,ज्ञानेन्द्र शर्मा, राज कुमार शर्मा, पी के त्रिपाठी, ओम प्रकाश गौतम आदि ने सहयोग किया।

डीएपी उर्वरक निर्धारित दरों पर ही की जाय बिक्री

बीपीएस न्यूज

कानपुर, । जिलाधिकारी विशाख जी0 के निर्देशानुसार उप जिलाधिकारी, बिल्हौर व उप जिलाधिकारी नर्वल द्वारा नायब तहसीलदार व राजस्व निरीक्षको द्वारा खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानो पर जाँच करायी गयी, जॉच में उर्वरक विक्रेताओं द्वारा यूरिया व डी0ए0पी0 उर्वरक के अधिक मूल्य पर बिक्रय पाये जाने की पुष्टि होने पर सम्बन्धित दोषी विक्रेता के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह को प्राप्त हुए थे, जिस पर जिला कृषि अधिकारी द्वारा 06 जनवरी को 14 खाद की दुकानो के खाद गोदामो को सील किया गया साथ ही आज एक आवश्यक बैठक जनपद के समस्त थोक उर्वरक विक्रेताओ व विभिन्न क्षेत्रो से फुटकर उर्वरक बिक्रेताओ को आमंत्रित किया गया, बैठक की अध्यक्षता संयुक्त कृषि निदेशक कानपुर मण्डल कानपुर महेन्द्र सिंह द्वारा की गयी व इस बैठक में उप कृषि निदेशक चौधरी अरूण कुमार एवं जिला कृषि अधिकारी, द्वारा प्रतिभाग किया गया, बैठक में संयुक्त कृषि निदेशक द्वारा यह स्पष्ट रूप से उर्वरक बिक्रेताओ से कहा गया कि यूरिया व डी0ए0पी0 उर्वरक निर्धारित दरो पर ही विक्री की जाये, किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर जिला कृषि अधिकारी अमर सिंह व उप कृषि निदेशक चौधरी अरूण कुमार, तत्काल दोषी के विरूद्ध कार्यवाही करें। थोक उर्वरक बिक्रेताओ व खुदरा उर्वरक विक्रेताओ ने आश्वस्त किया कि जनपद में यूरिया व डी0ए0पी0 उर्वरक निर्धारित दरो पर ही विक्री की जायेगी।

कौशल विकास द्वारा प्रशिक्षण हेतु मेला कल

कानपुर। प्रधानाचार्य राजकीय ओद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाण्डुनगर प्रधानाचार्य डा0 नरेश कुमार ने बताया है कि 9 जनवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाण्डुनगर में विभिन्न व्यवसायों से आई0टी0आई0 उत्तीर्ण एवं कौशल विकास द्वारा प्रशिक्षित युवाओं के शिशिक्षु प्रशिक्षण हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिशिक्षु मेला का आयोजन किया जा रहा है।

किया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल भारतीय चिकित्सा समिति एवं डॉ जवाहर लाल रोहतगी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में डॉ जवाहर लाल रोहतगी हॉस्पिटल सर्वोदय नगर अस्पताल के सेमिनार हॉल में प्रात: 10 बजे से 1 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया इस कैम्प का उदघाटन सुबह 10 बजे नगर के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन चौरसिया, पूर्व अध्यक्ष आईएमए ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर विजय टण्डन ,प्रशासक डॉ सुषमा मानिकताला, सीएमएस डॉ आर के बंसल, जनरल सेक्रेटरी डॉ आर के बंसल,डॉ के के अग्रवाल,डॉ संजीव कुमार,डॉ उमा चौरसिया , डॉ पल्लवी चौरसिया आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कैम्प में डॉ जे एल रोहतगी हॉस्पिटल में कार्यरत चिकित्सक तथा निम्नलिखित विशेषज्ञ चिकित्सक ने अपनी निशुल्क सेवाएं दीं। डॉ आर के बंसल, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन चौरसिया, वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ के के अग्रवाल, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ संजीव कुमार, नाक कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ उमा चौरसिया, वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ पल्लवी चौरसिया, फैमिली फिजिशियन डॉ देवेन्द्र कौर, जनरल सर्जन, डॉ पर वेज अख्तर, फैमिली फिजिशियन डॉ रतन गुप्ता , हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ एस जी मिश्रा , बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आर एन चौरसिया ने कैम्प के आयोजकों को धन्यवाद दिया तथा आमजन को बीमारी से बचाव व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जागरूक किया। जन जागरूकता कार्यकर्म के अंतर्गत डॉ आर के बंसल ने हृदय रोग पर डॉ आर एन चौरसिया ने बाल रोग, डॉ के के अग्रवाल ने सामान्य बीमारियों और डॉ संजीव कुमार ने बढ़ती ठंड से बचाव पर आम जन को जागरूक किया। कैम्प में 92 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें उचित परामर्श दिया गया।

प्रशिक्षण में कृषि प्रसार प्रणाली को मजबूती मिलेगी

बीपीएस न्यूज-कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय में चल रहे एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों को शनिवार को डिप्लोमा प्रमाण पत्र वितरण किए गए।सीएसए के निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के सिंह ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले खाद बीज विक्रेताओं को डिप्लोमा प्रमाण पत्र वितरित किए।प्रशिक्षण समन्वयक डॉ जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 40 खाद बीज विक्रेताओं ने एक वर्षीय डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर कोर्स में हिस्सा लिया।उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य खाद बीज विक्रेताओं को कृषि की नवीन उन्नत तकनीकों से अवगत कराना है। जिससे कि किसानों की बेहतर सेवा व तकनीकी का प्रसार करने में सक्षम हों।इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक रहे पूर्व प्राध्यापक डॉ आर ए सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण में कृषि प्रसार प्रणाली को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर सह निदेशक प्रसार डॉक्टर पीके राठी, डॉक्टर सुभाष चंद्रा, एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर एसएल वर्मा एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वीके कनौजिया सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि सभी डिप्लोमा धारी अभ्यर्थियों ने सभी उपस्थित वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

एचएसआरपी प्लेट न लगवाने पर भरना पडेगा पांच हजार का जुर्माना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आरटीओ विभाग ने सभी वाहन स्वामियों को अवगत कराया है कि जल्द से जल्द सभी लोग वाहनो में एचएसआरपी (हाई सिक्यूरीटी रजिस्ट्रेशन नम्बर) प्लेट लगवा ले अन्यथा भारी जुमाना भरना पडेगा। इस फरमान को अमली जामाम पहनाने के लिए उप परिवहन आयुक्त ने एआरटीओ प्रशासन सुधीर वर्मा को निर्देशित किया है कि वाहनो पर एचएसआरपी प्लेट जल्द लगवा ताकि अपराधो पर भी नियंत्रण पाया जा सके।एचएसआरपी (हाई सिक्यूरीटी रजिस्ट्रेशन नम्बर) प्लेट के लिए एआरटीओ प्रशासन सुधीर वर्मा ने सभी सेक्सनो के बाबुओ को बुला कर उन्हें हिदयात दी कि जब तक गाडी में एचएसआरपी प्लेट न लगी हो तब किसी भी वाहन का कोई भी कार्य न किया जाए इसके साथ उन्होंने आरआई अजीत सिंह को भी निर्देशित किया कि वह बिना एचएसआरपी प्लेट न लगी होने की दशा में वाहन का फिटनेस भी रोक दे ताकि पूर्ण रूप से एचएसआरपी प्लेट का लगवाना सुनिश्चत किया जा सके। श्री वर्मा ने बताया कि उन्हों ने डीलरो के यहां जा कर निरीक्षण किया तो कई सैकडा एचएसआरपी प्लेट उन्हें मौके पर मिली जानकारी करने पर पता चला कि वाहन स्वामी ने रजिस्ट्रेशन तो करवा लिया ,लेकिन वाहनो में प्लेट को नही लगवाया। अभी तक प्लेट लगवाने का अगर प्रतिशत देखा जाए तो 54 प्रतिशत ही लोगो ने प्लेट लगवाई है ,लेकिन अगर सभी वाहन स्वामियों के वाहनो पर प्लेट लग कर अपडेट हो जाए तो इसका प्रतिशत 80 के करीब हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सडक सुरक्षा माह के अर्न्तगत शुक्रवार को डीलरो के साथ भी बैठक कर उन्हें भी एचएसआरपी प्लेट को लगाने और उसे अपडेट करने को कहा गया है साथ ही कार्यालय के सम्बंधित बाबुओ को भी बिना वाहनों में एचएसआरपी प्लेट के न लगे होने पर विभाग न तो डुप्लीकेट आरसी, न वाहन स्थानान्तरण और न ही पुन: रजिस्ट्रेशन का कार्य किया जाएगा। अगर समय रहते प्लेट नही लगवाई गई तो दोषपूर्ण नम्बर प्लेट पाये जाने भारी जुमाना लगेगा ।

गौवंश को गुड़ व मेथी खिला कर शुरु की एक नई पहल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सर्दी के बढ़ते प्रकोप में जहां इंसानों के लिए जिलाधिकारी विशाख जी रात में घूम घूम कर अलाव जलवाना व कंबल की व्यवस्था करना कि किसी भी इंसान को ठंड से कोई नुकसान ना हो वही बेजुबान आवारा गोवंश का ध्यान रखते हुए गौ रक्षक विश्व हिंदू परिषद सुरेंद्र सिंह व उनके सहयोगी विनोद शुक्ला,रिंकू रावत, उत्सव बनर्जी,वीरेंद्र अवस्थी पवन गुप्ता आदि लोगों ने समाज में एक नई पहल शुरुआत की जिसमें आज लगभग एक कुंतल गुड़ व मेथी मिला कर ई रिक्शा में लेकर सुबह से क्षेत्र में भ्रमण किया जहां पर भी लावारिस गो वंश मिला उसे पर्याप्त मात्रा में गुड़ और मेथी खिलाया जिससे पड़ रही कड़ाके की ठंड का असर उन बेजुबान पशुओं कम हो।सुरेंद्र सिंह का मानना है कि मनुष्य तो अपनी बात कहकर अपने परेशानी का इजहार कर सकता है परंतु बेजुबान जानवर का बहुत कम लोग ही ध्यान देते हैं इसलिए इस बार एक नई पहल शुरूआत की है सभी लोगों का इसी तरह सहयोग मिलता रहा यह अभियान भविष्य में काफी बड़े स्तर पर किया जाएगा सुरेंद्र सिंह ने सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया सहयोग करने वालों में से आदि लोग उपस्थित रहे ।

कोहरे को लेकर रहे सावधान: उप परिवहन आयुक्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर।बढ़ती ठंड और कोहरे को लेकर कानपुर परिक्षेत्र के उप परवहन आयुक्त डा0 विजय कुमार ने परिक्षेत्र के सभी एआरटीओ और आरटीओ को निर्देशित किया है कि कोहरे में रात के समय चलने वाले वाहनो में रेट्रो रिफ्लेक्टर , बैक लाइट का होना बहुत ही जरूरी है जिससे कि पीछे आने वाले वाहनो को आगे चलने वाहन के बारे में जानकारी हो सके और दुर्घटना से बचाव हो सके।

उप परिवहन आयुक्त कानपुर परिक्षेत्र डा0 विजय कुमार ने बताया कि दुर्घटना में मौतो का आंकडा बढ़ा है,लेकिन अगर कुछ सावधानियां बरती जांए तो दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।उन्होंने परिक्षेत्र के सभी एआरटीओ और आरटीओ को निर्देशित किया है कि हैवी से लेकर हल्के वाहनो में रेट्रो रिफ्लेक्टर और बैक लाइट जरूर लगी होनी चाहिए तभी गाडी सडको पर रात में चले इसके साथ ही वाहन स्वामियों से भी उन्होंने अपील की है अगर आवश्यक हो तभी यात्रा करे अन्यथा कोहरे में न निकले और सुरक्षित रहे। इसके साथ परिक्षेत्र के अधिकारियों को पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मुख्य मार्गो पर ड्यूटी भी लगाई गई है और उनके मोबाइल नम्बरो को भी सहायता के लिए उपलब्ध कराया गया है ताकि कोई भी आवश्यकता पडने पर सहायता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन अधिकारी जिन वाहनो में रेट्रो रिफ्लेक्टर नही लगा है उन वाहनो में रिफ्लेक्टर टेप को लगाया जा रहा है साथ ही चालान भी किया जा रहा है ताकि कोहरे में होने वाली दुर्घटनाओ को रोका जा सके क्योंकि कोहरे में दूरदर्शिता बहुत ही कम हो जाती है और सामने से आने वाला वाहन नही दिखाई पडता है और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते है।

भगवान की परीक्षा लेने के लिए ब्रह्माजी ने क्या लीला रची थी ?

अब भगवान की परीक्षा लेने के लिए ब्रह्माजी ने क्या लीला की, आइए ! देखते हैं-- भगवान इधर भोजन करने में लगे थे व्रजवासियों के साथ मस्ती-मज़ाक में व्यस्त थे उधर ब्रह्माजी धीरे से आए और सभी गाय-बछड़ो को उठाकर ब्रह्मलोक में लेकर चले गए।

भगवान श्रीकृष्ण को ग्वाल-बालों के साथ भोजन करते हुए देखकर ब्रह्मा जी को बड़ा आश्चर्य हुआ। वे सोचने लगे, भोजन करने का ये कौन सा तरीका है? हाथ-पैर धोकर बैठना चाहिए, पवित्रता के साथ आसन पर बैठना चाहिए, न जूठा खाना चाहिए न खिलाना चाहिए मौन होकर भोजन करना चाहिए। यहाँ तो एक भी लक्षण नहीं दिख रहा है। मुझे तो लगता है ये नारायण नहीं हो सकते। अब ब्रह्माजी ने सोचा कि जब इतना संकल्प विकल्प हो रहा है तो क्यों न परीक्षा ले ली जाए।अब भगवान की परीक्षा लेने के लिए ब्रह्माजी ने क्या लीला की, आइए ! देखते हैं-- भगवान इधर भोजन करने में लगे थे व्रजवासियों के साथ मस्ती-मज़ाक में व्यस्त थे उधर ब्रह्माजी धीरे से आए और सभी गाय-बछड़ो को उठाकर ब्रह्मलोक में लेकर चले गए। व्रजवासी बोले- अरे, लाला ! खाते ही रहोगे की बछड्न को भी देखोगे, दूर-दूर तक एक भी नजर नहीं आ रहे हैं। कन्हैया बोले— अच्छा तुम लोग भोजन करो मैं देखता हूँ, आंखिर हमारे सबके सब बछड़े कहाँ चले गए ? कन्हैया ने दही भात मुँह में भर लिया और कुछ हाथ में लेकर दौड़ लगा दी। सपाणि कवलो ययौ। अब भगवान गाय-बछड़ो को ढूंढ़ने निकले, इधर ब्रह्माजी को मौका मिला, उन्होंने सभी ग्वाल-बालों को भी उठा लिया और ब्रह्मलोक में छिपा दिया। इधर कृष्ण ने पूरा जंगल छान मारा एक भी गाय-बछड़ा नहीं दिखा। प्रभु ने सोचा, यदि गायब होता तो एकाध बछड़े कहीं इधर-उधर चले जाते, हमारे तो हजारों बछड़े थे, अचानक सबके सब कहाँ चले गए? सोचते-विचारते यमुना के किनारे आए, तो देखा कि सबके सब व्रजवासी भी गायब। अब भगवान को लगा कि, भाई जरूर कुछ गड़बड़ है। ध्यान लगाकर देखा तो सब समझ गए। अच्छा तो ये ब्रह्मा बाबा की करामात है। ये हमारी परीक्षा ले रहे हैं। ठीक है हम भी इनको जवाब देते हैं। जो जिस विषय का ज्ञाता हो उसको उसी विषय में प्रभावित किया जाए तो वह आपकी महत्ता स्वीकार करेगा आपको पंडित समझेगा। यदि व्याकरण का ज्ञानी हो तो आप उसको व्याकरण की व्युत्पति से प्रभावित कीजिए तो वह आपको श्रेष्ठ मानेगा। अब भगवान को लगा कि ब्रह्माजी शृष्टि करने के विशेषज्ञ हैं। मै भी इनको नई श्रीष्टि करके दिखाता हूँ। उन्ही के विषय में उनको प्रभावित करना चाहिए। भगवान ने लीला रची, जितने व्रजवासी थे उतने व्रजवासी बन गए। जितने बछड़े थे भगवान उतने बछड़े बनकर तैयार हो गए। और रूप-रेखा में कोई अंतर नहीं, तद्वत, ब्रह्मा की सृष्टि के अनुरूप, नई सृष्टि बनकर तैयार हो गई। भगवान ने केवल शरीर मात्र ही नहीं बनाया बल्कि जो जैसा कपड़ा पहनकर आया था भगवान वैसे ही कपड़े भी बन गए। जो जैसा डंडा लेकर आया था वैसा ही डंडा भी बन गए। यदि केवल शरीर ही बनाते और ग्वाल-बाल अपने घर नंगे ही जाते तो उनके माँ-बाप टोकते, तुम्हारा कपड़ा और डंडा कहाँ गया? इसलिए प्रभु को कपड़ा भी बनना पड़ा। सर्व विश्वमयम जगत आज यह महावाक्य भगवान ने चरितार्थ कर दिया।शुकदेवजी कहते हैं- परीक्षित तब तक ब्रह्मा जी भी ब्रह्मलोक से व्रज में आ गए और ग्वाल-बालो तथा गाय-बछड़ों की नई सृष्टि देखकर चकित रह गए। भगवान को देखकर ब्रह्मा जी अपने वाहन हंस पर से कूद पड़े और श्री कृष्ण के चरण पकड़ लिए। हे प्रभो ! मै अज्ञान के वशीभूत होकर आपकी परीक्षा लेने चला था। हे जगन्नाथ ! मुझे माफ कीजिए, यह कहकर उन्होंने भगवान की स्तुति आरंभ कर दी।

शुकदेव जी कहते हैं— परीक्षित ! भगवान के किसी भी आचरण में संदेह नहीं करना चाहिए। भगवान जो भी करते हैं सब ठीक ही करते हैं। भगवान सर्व समर्थ हैं। वे ब्रह्मा जी के द्वारा चुराए हुए ग्वाल-बाल और गाय-बछड़ों को वापस ला सकते थे। किन्तु इससे ब्रह्मा जी का मोह दूर नहीं होता और वे भगवान की उस दिव्य माया का ऐश्वर्य नहीं देख पाते। वास्तव में ब्रह्मा जी को अपने विश्वकर्ता होने का अभिमान था। भगवान ने अपनी इस दिव्यमयी लीला से उनके अभिमान को नष्ट किया। इसीलिए भगवान उन ग्वाल-बाल और बछड़ों को वापस न लाकर स्वयं ही वैसे ही और उतने ही ग्वाल-बाल और बछड़े बन गए।

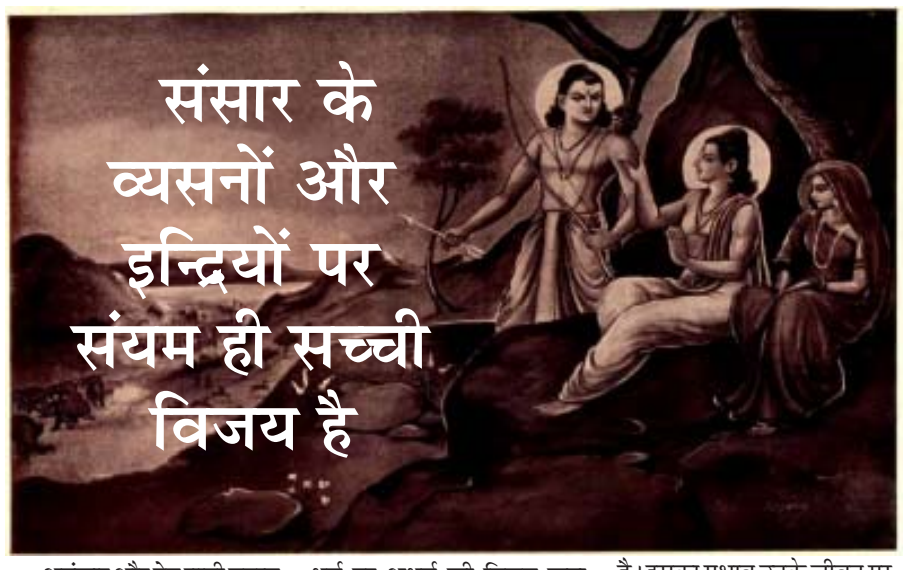

अहंकार और द्वेष ज्ञानी मनुष्य के विवेक को क्षण भर में नष्ट कर देते हैं। जो व्यक्ति इन दुर्गुणों से दूर रहते हैं वह जीवन के हर क्षेत्र में विजयी रहते है। विवेकशील और संयमी मनुष्य सभी बुराइयों से दूर रहते हैं। साधारणत: यही माना जाता है सत्य रूपी राम ने अहंकार रूपी रावण का वध किया था इसे धर्म पर अधर्म की विजय कहा गया। अहंकार से मुक्त संयमी हृदय को मनुष्य का सहज स्वभाव माना गया है। संयमी व्यक्ति आध्यात्मिक, विवेकशील, ईमानदार और समाज का भला करने वाला होता है। ऐसे लोग ही विजयी कहलाते हैं। संयम के अभाव में व्यक्ति में क्रोध, हिंसा और मानसिक अशांति बनी रहती है। इसका प्रभाव उनके जीवन पर भी देखने को मिलता है, जिसके फलस्वरूप असंयमी व्यक्ति उद्दंड और सभी को कष्ट देने लगता है। उनके विचार सात्विक नहीं रह जाते। जिस मनुष्य में इन सब गुणों का अभाव होता है वह इन्द्रियों का दास बन जाता है। यदि मनुष्य जीवन में किसी पूजा आचमन या योग ध्यान का अभ्यास नहीं करता है लेकिन जीवन संयमित है तो वह सदा दुर्गुणों से दूर रहेगा और सभी सांसारिक सुखों से पूर्ण जीवन व्यतीत करेगा।

रावण को सभी वेदों का ज्ञान था, उसने शिव तांडव और युद्धीशा तंत्र और प्रकुठा कामधेनु जैसी कृतियों की रचना की थी, देवताओं को भी परास्त करने वाला महाज्ञानी था। लेकिन उसे अपनी शक्ति का अहंकार हो गया था, अहंकार जैसे दुर्गुणों के कारण रावण का वध हुआ। रावण वध के उपरांत विभीषण ने श्री राम से कहा रावण महाअहंकारी था उसे अपनी शक्ति का अहंकार था %आपने रावण का वध करके महान विजय प्राप्त की है%। तब श्री राम ने कहा %यह तो साधारण विजय है, असाधारण विजय तो अपने दुर्गुणों पर संयम पा लेना होता है। संयमित व्यक्ति संसार को जीत सकता है%। संसार के व्यसनों और इन्द्रियों पर विजय ही सच्ची विजय है।जो मनुष्य धर्म के मार्ग पर चलते हैं वही सच्ची विजय के अधिकारी हैं, धर्म व्यक्ति धैर्यवान बनाता है। यदि मनुष्य सत्य का मार्ग अपनाये तो उसको विजयी होने से कोई नहीं रोक सकता है। शौर्य की प्राप्ति में सत्य ही सहायक है, विवेक, धर्म, दया और संयमी व्यक्ति कभी पराजित नहीं होता, संयमी और अहंकार से रहित व्यक्ति किसी से छल नहीं करता और असत्य से दूर रहता है। काम, क्रोध, अहंकार, द्वेष, लालच से दूर होकर संसार का भला करता है। सांसारिक चंचलता से दूर होकर क्षमाशील बनता है। सांसारिक बातों से दूरी बनाकर मन को स्थिर बनाने का प्रयास करें सांसारिक घटनाएं मन को व्यथित करती हैं जिससे शरीर और मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है । भगवदगीता के अनुसार ध्यान और योग के द्वारा हम खुद को जान सकते हैंयह आपको स्वयं परनियंत्रण केमार्ग प्रदर्शित करता है। कामनाओं से रहित जीवन की ओर अग्रसर करता है ।

ऐसा ज्योतिर्लिंग जहां संयुक्तरूप में विराजमान हैं शिव-पार्वती

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से सभी कष्ट मिट जाते हैं, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के कृष्णा नदी के तट पर स्थित है, यह ज्योतिर्लिंग शैल पर्वत पर स्थित है जिसे दक्षिण का कैलाश पर्वत कहा जाता है, मान्यता है यहां भगवान शिव और माता पार्वती दोनों संयुक्त रूप से उपस्थित है।12 ज्योतिर्लिंग देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित है, इनमें मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का विशेष महत्व है जिससे शिवभक्तों की आस्था जुड़ी हुई है, मल्लिका अर्थात माँ पार्वती और अर्जुन यानि भगवान शिव दोनों के संयुक्त रूप को मल्लिकार्जुन कहा गया।

मल्लिकार्जुन से जुड़ी पौराणिक कथा

हिन्दू मान्यताओं के अनुसार एक बार कार्तिकेय और गणेश जी किसका विवाह पहले होगा इस बात पर झगड़ने लगे, भगवान शिव ने निष्कर्ष के लिए यह कह दिया जो पृथ्वी का चक्कर पहले लगाकर आएगा उसका विवाह पहले होगा। कार्तिकेय पृथ्वी का चक्कर लगाने लगे, गणेश जी ने अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए माता पार्वती और भगवान शिव के चक्कर लगा लिए, जब कार्तिकेय पृथ्वी की परिक्रमा पूर्ण करके आये और गणेश जी को पहले विवाह करते हुए देखा तो क्रोधित होकर क्रोंच पर्वत पर चले गए। सभी देवताओं ने कार्तिकेय से कैलाश लौटने के लिए आग्रह किया, किन्तु कार्तिकेय नहीं मानें, इस बात से माता पार्वती और भगवान शिव आहत हुए । पुत्र वियोग से दुखी होकर एक दिन माता पार्वती और भगवान शिव कार्तिकेय से मिलने क्रोंच पर्वत पर गए, माता-पिता को देखकर कार्तिकेय दूर चले गए। जिसके उपरांत पुत्र के दर्शन की आशा में भगवान शिव ने ज्योति रूप में प्रकट हुए उसी ज्योति में माँ पार्वती भी समाहित हो गई। तभी से उस ज्योतिर्लिंग को मल्लिकार्जुन के रूप में जाना जाता है। मान्यता है भगवान शिव अमावस्या को और माता पार्वती पूर्णिमा को यहां स्वयं आते हैं।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का महत्व

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से मनोकामनाएं पूरी होती है, यहां शिव और पार्वती की आराधना से जीवन में आने वाली सभी परेशानी से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। सावन मास में यहां पूजा-पाठ का विशेष महत्व है।

कैसे पहुंचे मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन मारकापुर रोड रेलवे स्टेशन है, यह मल्लिकार्जुन से 84 किमी की दूरी पर है। यह सभी बड़े रेलवे स्टेशन लखनऊ, मुंबई, चंडीगढ़, दिल्ली, देहरादून से जुड़ा हुआ है। यहां से आपको मल्लिकार्जुन के लिए टैक्सी या बस मिल जाएगी। यदि आप फ्लाइट से जाना चाहते हैं तो नजदीकी हवाई अड्डा राजीव गाँधी इंटरनेशनल हवाई अड्डा है जो मल्लिकार्जुन से 200 किलोमीटर की दूरी पर है। यह मुंबई दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता और अन्य हवाई अड्डों से जुड़ा हुआ है।

वाराणसी का महाश्मशान: मणिकर्णिका जहां जलती चिताओं के बीच होता है नृत्य

मणिकर्णिका घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी। वैसे तो बनारस के सभी 84 गंगा घाट अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। सबका अपना एक अलग ही इतिहास है अलग ही महत्ता है सभी की अपनी विशेषतायें है। किसी घाट की सुबह प्रसिद्ध है तो किसी की शाम, किसी गंगा घाट की आरती लोगो को भाती है तो किसी गंगा घाट का स्नान लोगो आनंददायी लगता है। कुछ घाट ऐसे है जहां केवल दाह संस्कार किये जाते है। उन्ही घाटों में से एक है %मणिकर्णिका घाट

इस घाट को अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही पवित्र माना जाता है। यहां चिता की आग हमेशा जलती रहती है अर्थात यहां हर समय किसी ना किसी का अंतिम संस्कार हो रहा होता है। कहते है भगवान शिव ने इस घाट को वरदान दिया है कि इस घाट पर जिनका अंतिम संस्कार होगा उन्हें असीम अनंत शांति की प्राप्ति होगी।

मणिकर्णिका नाम कैसे पड़ा

इस घाट के नाम के पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है कहते है एक बार माँ पार्वती ने भगवान शिव से काशी भ्रमण की इच्छा व्यक्त की काशी भ्रमण के दौरान शिव जी ने स्नान के लिए एक कुंड खोदा, उस कुंड में स्नान के समय पार्वती जी के कान की बाली का एक मणि टूट कर गिर गया तभी से इस कुंड का नाम मणिकर्णिका पड़ गय।

स्नान वर्जित है इस घाट पर

गंगा के सभी घाटों में स्नान किया जा सकता है लेकिन मणिकर्णिका में स्नान वर्जित है। लेकिन कार्तिक मास की बैकुण्ठ चतुर्दशी को यहाँ स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। मणिकर्णिका घाट पर वैशाख स्नान करने से भी मोक्ष की प्राप्ति होती है।

महाश्मशान है यह घाट

हिन्दू धर्म में शाम के समय अंतिम संस्कार नहीं किये जाते किन्तु मणिकर्णिका घाट की विशेषता है कि यहां 24 घंटे अंतिम संस्कार होते रहते है।इसीलिए महाश्मशान भी कहते है। आमेर के राजा सवाई मान सिंह ने इस घाट का निर्माण 1585 में कराया था। तभी से यहां रोज़ 200 – 300 तक अंतिम संस्कार होते है। कहते है कि भगवान विष्णु ने भी इसी घाट पर भगवान् शिव की आराधना की थी और वरदान माँगा कि काशी को कभी भी नष्ट नहीं किया जाये। सृष्टि के विनाश के समय भी काशी अविनाशी रहे।

माता सती का हुआ था अंतिम संस्कार

इस घाट की एक और मान्यता है माता सती का अंतिम संस्कार भी इसी घाट पर भगवान शिव द्वारा किया गया था इसीलिए इसे महाश्मशान भी कहते है।

जलती चिताओं के बीच करते है नृत्य

जीवन की इस नश्वरता का इस श्मशान में त्यौहार भी मनाया जाता है। साल में एक बार जलती चिताओं के बीच महोत्सव भी मनाया जाता है। काशी की सभी नगरवधुएं इसमें हिस्सा लेती है और नृत्य करती है। ऐसा करके वो भगवान नटराज को साक्षी मानकर यह कामना करती है की अगले जन्म में उन्हें नगरवधू बनने का कलंक न झेलना पड़े। यह परम्परा अकबर काल में राजा सवाई मान सिंह के से समय से शुरू होकर अब तक चली आ रही है।

चिता की राख से होली

इस घाट पर फाल्गुन एकादशी को चिता की राख से होली खेलने की परम्परा है। मान्यता है की इसी दिन भगवान शिव ने माता पार्वती का गौना कराया था।प्रतीकात्मक रूप से जब माता पार्वती की डोली यहां से गुजरती है तो उनका स्वागत नाच गाने और रंगो से किया जाता है और चिता की राख से होली खेली जाती है। इस दिन यहां सभी अघोरी जमा होते है।

लक्ष्मणजी से सलाह ना लेकर विभीषण से क्यों सागर पार करने का हल पूछ रहे थे भगवान?

श्रीराम जी ने अपने अनुज श्रीलक्ष्मण जी से पूछने की बजाय, अपने भूतपूर्व शत्रु बालि, व वर्तमान शत्रु रावण के भाई से पहले पूछना उचित समझा। श्रीराम जी ने दोनों से जानना चाहा, कि इस वीभत्स सागर को आखिर, पार कैसे किया जाये। कारण कि सागर में एक से एक भयंकर जीव हैं। अनेक जाति के मगर, साँप और मछलियां इसमें भरी हुई हैं-

भगवान श्रीराम जी समस्त वानर सेना को, अपने साथ लेकर सागर के किनारे पहुँचे। मंथन यह करना था कि आखिर इतने विशाल सागर को कैसे पार किया जाये? प्रभु श्रीराम जी के साथ उपस्थित तो एक से एक वीर योद्धा व विद्वान थे। लेकिन श्रीराम जी ने अपने संबोधन में केवल दो ही महानुभवों का मत सुनना चाहा। और वे दोनों में से, एक तो थे श्रीविभीषण जी, एवं दूसरे थे बालि के भाई राजा सुग्रीव। श्रीराम हालाँकि परम बलवान श्रीहनुमान जी, एवं काल के अवतार श्रीलक्ष्मण जी से भी सागर पार करने का हल पूछ सकते थे, जोकि क्षण भर मे समाधान निकाल सकते थे। लेकिन श्रीराम जी ने अपने अनुज श्रीलक्ष्मण जी से पूछने की बजाय, अपने भूतपूर्व शत्रु बालि, व वर्तमान शत्रु रावण के भाई से पहले पूछना उचित समझा। श्रीराम जी ने दोनों से जानना चाहा, कि इस वीभत्स सागर को आखिर, पार कैसे किया जाये। कारण कि सागर में एक से एक भयंकर जीव हैं। अनेक जाति के मगर, साँप और मछलियां इसमें भरी हुई हैं-

भगवान श्रीराम जी की इस लीला के पीछे भी महान भाव छुपा हुआ था। वे दोनों को संदेश देना चाहते थे, कि ऐसा नहीं, कि हम केवल बातों-बातों से ही किसी का सम्मान करते हैं। हम वास्तविकता के धरातल पर भी, व्यक्ति को प्रमुख स्थान देते हैं। क्या हमने यह जानने की कभी इच्छा भी प्रकट की है, कि प्रभु श्रीराम जी उन दोनों के समक्ष ही यह प्रश्न क्यों रखा? तात्विक मंथन यह कहता है, कि श्रीराम जी सागर को एक साधारण पानी का सागर थोड़ी न मान रहे हैं। अपितु यह संदेश प्रेषित करना चाह रहे हैं, कि मात्र केवल हमारे दैहिक मिलन से ही जीव का कल्याण नहीं होता है। हमसे अगर कोई मिल भी ले, लेकिन मान लीजिए, कि उसने सीता जी रूपी भक्ति को नहीं पाया, तो निश्चित ही हमारा मिलन अभी अधूरा माना जायेगा। हमारी प्राप्ति को तभी सार्थक व संपूर्ण मानना चाहिए, जब कोई भी जीव भक्ति स्वरूपा श्रीसीता जी से भी मिल लेता है। श्रीसीता जी को प्राप्त करना इतना आसान भी नहीं है। कारण कि इस महान उपलब्धि हेतु भयंकर कष्ट व बाधाओं से गुजरना पड़ता है।

श्रीहनुमान जी सागर पार करके, माता सीता जी को पाने का महान पराक्रम तो पहले ही सपफ़लता पूर्वक कर चुके हैं। और श्रीलक्ष्मण जी मईया को तब से ही समर्पित हैं, जब से वे जनकपुरी होकर आये हैं। माता सीता जी से भेंट व शरणागति तो श्रीविभीषण जी एवं सुग्रीव की शेष थी। श्रीसीता जी को पाने हेतु सागर पार करने की अनिवार्यता ऐसी है, कि यह सिद्धांत प्रत्येक साधक पर लागू होना है।

श्रीविभीषण जी का भाग्य तो देखिए। वे कितने ही माह, माता सीता जी के समीप ही, लंका नगरी में रहे। लेकिन उनकी माता सीता जी से एक बार भी भेंट नहीं हुई। प्रभु से मिलने से पहले, भक्ति रूपी शक्ति से मिलने की अनिवार्यता का अनुपालन उन्हें भी तो करना ही था। यही भक्ति का शश्वत सिद्धांत है।

श्रीविभीषण जी ने कहा, कि हे प्रभु ! वैसे तो आपका एक ही बाण, करोड़ों सागर को सुखाने के लिए प्रयाप्त है। लेकिन तब भी, नीति तो यही कहती है, कि हमें सागर के पास जाकर विनती करनी चाहिए। कारण कि, सागर तो वैसे भी आपके पूर्वजों में से एक हैं। वे आपको अवश्य ही कोई बीच में से रास्ता दे देंगे। और सभी रीछ व वानर सेना, बिना प्रयास के ही सागर पार हो जायेगी।

भगवान श्रीराम जी ने देखा, कि श्रीविभीषण जी की सरलता तो वाकई में उच्च स्तर की है। वे तो प्रत्येक जीव को ही, स्वयं एवं मेरे चरित्र जैसा ही मान रहे हैं। श्रीविभीषण जी अगर परम सरल न होते, तो क्या वे रावण जैसे शुष्क व दुष्ट हृदयी व्यक्ति को समझाने का प्रयास करते? उन्हें लगता है, कि सभी जन सहज व सरल ही होते हैं। उन्हें सागर का स्वभाव भी सहज ही प्रतीत होता हैं। श्रीविभीषण जी को लगा कि सागर की मनोवृति भी सहज है। और जैसे मैं किसी का भी निवेदन सरलता से मान लेता हूँ, ठीक वैसे ही सागर भी सबकी मान लेता होगा। लेकिन भक्ति मार्ग पर चलते हुए, लक्ष्य सहज व आसान हो जाये, भला ऐसा कब होता है? लेकिन श्रीविभीषण जी के मन में भ्रम न रह जाये। तो उनकी बात तो एक बार के लिए रखनी ही होगी। श्रीराम जी ने कहा, कि मित्र तुमने नीति तो अच्छी कही। निश्चित ही ऐसा ही किया जायेगा।

किन पुष्पों से करें सूर्य देव की आराधना, जानें

सूर्य आराधना सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। शास्त्रों में सूर्य को सर्व रोग मुक्तिदाता बताया गया है। पूर्ण आरोग्य और सुख समृद्धि के लिए सूर्य को नित्य जल और पूजन का विधान है। सूर्य आराधना में पुष्पों का विशेष महत्व है। आज के इस लेख के माध्यम से जानते हैं सूर्य आराधना में किन पुष्पों का प्रयोग करना चाहिए।

सूर्य की आराधना से सभी मनोवांछित कामनाएं पूरी होती हैं, सूर्य देव की आराधना से स्वास्थ्य, यश और मान-सम्मान में वृद्धि होती है। अगर सूर्य देव की पूजा में उनके प्रिय पुष्प अर्पित किये जाएं तो सूर्य देव आप पर प्रसन्न होंगे और आपको आरोग्य, ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।

सूर्य आराधना में करें इन पुष्पों का प्रयोग

पुराणों के अनुसार सूर्य की आराधना यदि आक के पुष्पों से की जाये तो आपको इसका हजार गुना फल प्राप्त होता है। सूर्य देव को कनेर, बेला, पाटला, मालती, काश के पुष्प, कुब्जक, कटसरैया, जपा, यावन्ति, कर्णिकार, चंपा, रोलक, माधवी, बर्बरमल्लिका, अशोक, कुंद, कमल, मौलश्री, आरूषा, तिलक, लोध, पलाश के फूल, अगस्त्य और दूर्वा अर्पित किये जा सकते हैं। इन पुष्पों के अलावा रामा तुलसी के पत्ते,श्याम तुलसी, बेल पत्र, शमी के पत्ते, भंगरैया के पत्ते, तमाल पत्र और कमल के पत्ते सूर्य पूजा में प्रयोग किये जा सकते है।

पुष्प जो सूर्य आराधना में वर्जित हैं

सूर्य देव की पूजा अपराजिता, तगर, गूंजा, अमड़ा, धतूरा, कांची और भटकटैया के फूलों से नहीं करनी चाहिए।

कौन सा पुष्प है श्रेष्ठ

सूर्य की आराधना में गुड़हल के पुष्प का प्रयोग श्रेष्ठ है उससे श्रेष्ठ लाल कनेर का पुष्प, कई सहस्त्र लाल कनेर के पुष्पों से श्रेष्ठ एक बिल्वपत्र है, सहस्त्र बिल्वपत्रों से बढ़कर एक पद्म पुष्प, कई सहस्त्र पद्म पुष्पों से बढ़कर एक मौलश्री का पुष्प है, कई सहस्त्र मौलश्री के पुष्पों से बढ़कर एक शमी का पुष्प है, कई सहस्त्र शमी के पुष्पों से बढ़कर एक रक्त कमल और सहस्त्र रक्त कमलों से बढ़कर केसर का पुष्प होता है। इन पुष्पों के पत्ते और फल भी सूर्य देव को प्रिय है अत: उनका प्रयोग भी सूर्य आराधना में श्रेष्ठ माना गया है। इन सभी पुष्पों का प्रयोग दिन में किया जाता है यदि आप रात्रि में सूर्य की पूजा कर रहे हैं तो मुकुर और कदम्ब के फूलों को अर्पित कर सकते हैं। लेकिन बेला के फूल दिन और रात दोनों समय अर्पित किये जा सकते हैं।

27 सालों में अब जाकर पहली बार ऑस्ट्रिया से भारत की विदेश मंत्री स्तर की वार्ता क्यों हुई?

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान को घेरते हुए बड़े बयान तो दिये ही हैं साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की नीति को भी एक बार फिर स्पष्ट किया है। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर दो देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में साइप्रस से ऑस्ट्रिया पहुंचे हैं जहां उन्होंने ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री अलेक्जेंडर शैलेनबर्ग के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

पाकिस्तान का संदर्भ देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि सीमा पार से होने वाले आतंकवाद को किसी एक क्षेत्र के अंदर सीमित नहीं किया सकता, खासतौर पर जब वह मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी तथा अंतरराष्ट्रीय अपराधों के अन्य स्वरूपों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने किसी देश का नाम लिये बगैर कहा, ''चूंकि आतंकवाद का केंद्र भारत के करीब में स्थित है इसलिए स्वाभाविक रूप से हमारे अनुभव और अंतर्दृष्टि अन्य के लिए उपयोगी हैं।

यूक्रेन में जारी संघर्ष पर गहरी चिंता जताते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत शांति के पक्ष में है और युद्ध की शुरुआत से ही नयी दिल्ली की कोशिश यही रही है कि मॉस्को तथा कीव कूटनीति एवं संवाद के माध्यमों की ओर लौटें क्योंकि मतभेदों को हिंसा से नहीं सुलझाया जा सकता। जयशंकर ने कहा, यह संघर्ष वास्तव में अत्यंत गहरी चिंता का विषय है ... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर में घोषणा की कि हम वास्तव में मानते हैं कि यह युद्ध का युग नहीं है। आप हिंसा के माध्यम से मतभेदों और मुद्दों को नहीं सुलझा सकते। उन्होंने कहा, इस तरह शुरू से ही, हमारा प्रयास (रूस और यूक्रेन से) संवाद और कूटनीति पर लौटने का आग्रह करना रहा है ... प्रधानमंत्री ने खुद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ कई मौकों पर बात की है। मैंने रूस और यूक्रेन के अपने सहयोगियों से खुद भी बात की है। उल्लेखनीय है कि भारत ने रूस और यूक्रेन से कूटनीति एवं बातचीत के रास्ते पर लौटने तथा जारी संघर्ष को समाप्त करने का बार-बार आह्वान किया है।

इसके अलावा जयशंकर ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए उन्हें बताया कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा,इसमें से अधिकांश चीन के साथ हमारी उत्तरी सीमा पर हमारे सामने उत्पन्न तीव्र चुनौतियों के आसपास केंद्रित है। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान की ओर से लगातार सीमा पार आतंकवाद की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। जयशंकर ने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, ''हमने बांग्लादेश के साथ अपना भूमि सीमा समझौता किया है। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे सफल कूटनीति ने (दो पड़ोसियों के बीच) मजबूत रिश्ते में सीधे योगदान दिया है।इसके अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि 77 साल पुराने संगठन संयुक्त राष्ट्र को नया रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में बड़े बदलाव के लिए जोर देना नयी दिल्ली की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों और इनमें भारत की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 1945 में हुई थी। मैं लोगों से कहता हूं कि कोई ऐसी चीज बताएं जो 77 साल पुरानी हो और उसमें आपको सुधार की जरूरत न लगती हो। लोग बदलते हैं, संस्थानों में भी बदलाव होने चाहिए। हमें बदलाव की जरूरत है। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा यह नहीं मानता कि संयुक्त राष्ट्र निष्पक्षता से उसकी आवाज उठाता है।

हम आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में काफी समय से लंबित सुधारों के लिए हुए प्रयासों में भारत सबसे आगे रहा है। भारत कहता रहा है कि वह सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का हकदार है। जयशंकर ने कहा, समस्या यह है कि जो प्रभावशाली हैसियत रखते हैं वे स्पष्ट रूप से अपने प्रभाव को कम होते नहीं देखना चाहते। ऐसे में हम लोगों को उस परिवर्तन के लिए कैसे राजी कर सकते हैं, जो अपने अल्पकालिक फायदों के कारण पुरानी प्रणाली से चिपके रहने के लिए मजबूर हैं, यह एक वास्तविक समस्या है। विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर जोर देना भारत की विदेश नीति का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन रातों-रात नहीं होगा। विदेश मंत्री ने कहा, हम कोशिशें जारी रखेंगे। यह हमारे लिए और हमारी विदेश नीति के लिए बहुत महत्वपूर्ण लक्ष्य है। यह रातों-रात नहीं होगा, लेकिन एक दिन ऐसा होगा, मुझ पर विश्वास करें।

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं। ये देश किसी भी मूल प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। समकालीन वैश्विक वास्तविकता को दर्शाने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है।जयशंकर ने भारतीय समुदाय से संबंध मजबूत होने के लिए पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के प्रयास की सराहना भी की। विदेश मंत्री से जब पूछा गया कि सुषमा स्वराज के भारतीय विदेश मंत्री रहते विदेश नीतियों में क्या बदलाव आया, तो उन्होंने कहा-मुझे बहुत खुशी है कि आपने मेरी पूर्ववर्ती दिवंगत सुषमा स्वराज जी का उल्लेख किया। तथ्य यह है कि विदेश में भारतीय समुदायों के साथ हमारे संबंध मजबूत हुए हैं और मजबूत रहेंगे, उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उल्लेखनीय है कि सुषमा स्वराज का 6 अगस्त, 2019 को 67 वर्ष की आयु में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया था।

जहां तक जयशंकर के ऑस्ट्रिया दौरे की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने ऑस्ट्रिया के अपने समकक्ष अलेक्जेंडर शालेनबर्ग के साथ कई क्षेत्रीय और वैश्विक स्थितियों पर ''खुली और सार्थक'' चर्चा की तथा दोनों पक्षों ने भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए प्रवासन एवं यात्रा सुगमता सहित कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चेक गणराज्य, स्लोवाक गणराज्य और ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्रियों के साथ पारस्परिक हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले 27 वर्षों में भारत से ऑस्ट्रिया की पहली विदेश मंत्री स्तर की यात्रा हुई है, और यह 2023 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष होने की पृष्ठभूमि में हो रही है।

हत्या के मामले में क्यों फंसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी पुलिस अधिकारी के परिवार ने 7 जनवरी को ट्रंप के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। अमेरिकी पुलिस अधिकारी की मौत को लेकर परिजनों ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को उस दिन हिंसा के लिए उकसाया था।

अमेरिका में कैपिटल हिल हिंसा का मामला अभी तक शांत नहीं हुआ है। अमेरिकी कैपिटल पुलिस अदिकारी की मौत को लेकर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फंसते नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारी के परिवार ने ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।6 जनवरी 2021 के दंगों के एक दिन बाद अमेरिकी पुलिस अधिकारी के परिवार ने 7 जनवरी को ट्रंप के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। अमेरिकी पुलिस अधिकारी की मौत को लेकर परिजनों ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को उस दिन हिंसा के लिए उकसाया था।

पुलिस अधिकारी ब्रायन सिकनिक के परिवार की ओर से से ट्रम्प के खिलाफ वाशिंगटन में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया था। बताया गया कि 7 जनवरी को स्ट्रोक की वजह से 42 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। परिवार का आरोप है कि ट्रंप ने जानबूझकर भीड़ को उकसाया था और हमले का विरोध करने वालों पर अटैक करने के लिए भीड़ को गाइड किया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि हिंसा की वजह से पुलिस अधिकारी को चोटें आई और उसकी जान चली गई। हालांकि एक चिकित्सा परीक्षक ने कहा कि यूएस कैपिटल पर हमले के दौरान सिकनिक को कोई चोट नहीं आई थी। सिकनिक की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी, लेकिन 6 जनवरी की हिंसक घटनाओं ने उनके हालाक के लिए एक भूमिका निभाई हो इस बात की संभावना थी।

बता दें कि साल 2021 में जनवरी में बाइडन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति बनाने की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में डोनाल्ड ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला बोल दिया था। कई वैश्विक नेताओं ने इसे दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र के इतिहास में %काला दिन% करार दिया था।

यूक्रेन में स्थायी शांति कायम करने को लेकर आया बाइडन प्रशासन का बयान, कहा-शांति बहाल करने के पक्ष में है भारत और अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने कहा है कि भारत और अमेरिका इस बात से ''बहुत अधिक सहमत'' हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की आवश्यकता है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि उनका देश यूक्रेन संघर्ष पर भारत समेत अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ बहुत करीब से जुड़ा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर अडिग है। उन्होंने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम भारत की इस बात से बहुत अधिक सहमत हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली आवश्यक है। यही संदेश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी दिया है। जी-20 समूह की बैठक के दौरान उन्होंने वहां मौजूद विश्व के नेताओं से बात की और शांति को लेकर अपने विचार रखे। हम इसका स्वागत करते हैं।'' प्राइस ने कहा कि हम यूक्रेन के लोगों के लिए भारत के समर्थन का स्वागत करते हैं। भारत ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के जरूर युद्ध को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और उसे मानवीय सहायता भी प्रदान की। हम प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के इस कथन से भी बहुत अधिक सहमत हैं कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। बेशक, यह एक ऐसी टिप्पणी थी जिसकी गूंज जी-20 में हुई। ह यूक्रेन पर रूस के हमले के बारे में एक सवाल के जवाब में प्राइस ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में अपने सहयोगियों और भागीदारों के निकट संपर्क में है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इसमें भारत भी शामिल है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर अडिग है।

याकूब कुरैशी 9 महीने तक खूब भागे, जाल बिछाकर दिल्ली से पिता-पुत्र को किया गिरफ्तार

फरार कुरैशी पिता-पुत्र को मेरठ पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह दोनों दिल्ली के चांदनी चौक में अपने रिश्तेदार के यहां पर छिपे थे। जहां पर पुलिस ने दबिश देकर शुक्रवार रात दो बजे इन दोनों को गिरफ्तार किया। एसपी क्राइम अमित कुमार ने बताया है कि दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र से एक फ्लैट के अंदर याकूब कुरैशी और उनके बेटे इमरान कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर एक सप्ताह पहले ही पुलिस ने 50-50 हजार का इनाम घोषित किया था। इनाम घोषित होने के बाद याकूब कुरैशी और उसके बेटे की तलाश में सिविल पुलिस के अलावा एसटीएफ को भी लगाया गया था।

हम आपको बता दें कि 31 मार्च 2022 को हापुड़ रोड पर याकूब कुरैशी की फैक्टरी पर यूपी पुलिस ने छापा मारा था। जहां पर अवैध तरीके से मीट पैकिंग का काम चल रहा था। इस मामले में पुलिस ने याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम और बेटे इमरान व फिरोज सहित 17 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि खरखौदा के अलीपुर स्थित अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लि. में बिना अनुमति के मीट पैकेजिंग और प्रोसेसिंग का धंधा चल रहा है। इस मामले में याकूब, फिरोज और इमरान की फरारी पर इनाम घोषित कर दिया गया। साथ ही याकूब, फिरोज, इमरान, शमजिदा, मोहित त्यागी, फैजाब और मुजीब के खिलाफ गैंगस्टर का भी मुकदमा किया गया। इस मामले में मुजीब को पहले ही जेल भेज दिया गया था। बताया जा रहा है कि याकूब और उनके बेटे ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका भी दायर की थी लेकिन वह खारिज हो गयी।

उधर, कुरैशी पिता-पुत्र की गिरफ्तारी होने की जानकारी लगते ही याकूब के समर्थकों में खलबली मच गई है। हम आपको यह भी बता दें कि हाजी याकूब कुरैशी दो बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। वह पहली बार 2002 में खरखौदा विधानसभा सीट से विधायक रहे उसके बाद 2007 में वह मेरठ शहर सीट से विधायक चुने गये थे। वह बसपा सरकार में मंत्री रहने के अलावा लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं।

अमेरिका में संसद के अध्यक्ष बनने के बेहद करीब पहुंचे रिपब्लिकन नेता केविन मैक्कार्थी

वाशिंगटन। रिपब्लिकन नेता केविन मैक्कार्थी अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष बनने के करीब पहुंच गए हैं। शुक्रवार रात उनके 15 विरोधियों ने नाटकीय रूप से उनका समर्थन किया। गतिरोध के बीच प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद का चुनाव 12वें और 13वें चरण तक पहुंच गया है और अब भी यह प्रक्रिया जारी है। मैक्कार्थी ने पत्रकारों से कहा कि मुझे विश्वास है कि इसे हमेशा के लिए खत्म करने के लिए हमारे पास पर्याप्त वोट होंगे।

उनको यह बढ़त तब हासिल हुई है जब उन्होंने विरोधियों की कई मांगों को मान लिया है जिनमें उस नियम की बहाली भी शामिल है जिसके जरिए अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए किसी भी सदस्य को मतदान कराने की अनुमति मिल जाएगी। अगर मैक्कार्थी को आवश्यकता के अनुसार वोट मिल भी जाते हैं तो भी वह एक कमजोर अध्यक्ष रहेंगे जिनके पास कुछ शक्तियां नहीं होंगी और उन पर विरोधियों द्वारा हटाए जाने का खतरा मंडराता रहेगा। अमेरिका के इतिहास में गृहयुद्ध के काल से यह पहली बार है जब अध्यक्ष पद के चुनाव का मतदान इतने चरणों तक खिंच गया है।

यह मतदान ऐसे वक्त हो रहा है जब छह जनवरी 2021 में अमेरिकी संसद भवन परिसर में हुई हिंसा के दो साल पूरे हो गए हैं। संसद भवन परिसर में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कुछ सांसदों ने कुछ मिनट का मौन रखा तथा उन अधिकारियों की प्रशंसा की जिन्होंने उस दिन कांग्रेस की रक्षा में मदद की थी। इन सांसदों में अधिकतर डेमोक्रेटिक पार्टी से थे। वहीं, राष्ट्रपति जो. बाइडन ने हमलावरों का मुकाबला करने वाले अधिकारियों तथा अन्य लोगों को व्हाइट हाउस में पदक प्रदान किए।

रूस में हो सकता है सत्ता परिवर्तन, वैगन का लड़ाका बनेगा मॉस्को का नया आका, 9 साल जेल में गुजारे हैं

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 10 महीने से जंग छिड़ी हुई है। पुतिन लगातार अपनी रणनीतियां में बदलाव कर रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच पुतिन अपनी सेहत को लेकर भी परेशान हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी खराब सेहत की वजह से सुर्खियों में हैं। इन सबके बीच रूस में सत्ता परिवर्तन पर बड़ी खबर सामने आ रही है। पुतिन की जगह येवगेनी प्रिगोजिन रूस के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं। सूत्रों की माने तो सेहत खराब होने की वजह से पति ने यह फैसला ले सकते हैं। शुरुआत में येवगेनी हॉट डॉग का स्टॉल लगाते थे। बाद में अमीर लोगों के लिए उन्होंने रेस्टोरेंट खोल दिया। जिसके बाद देखते ही देखते जल्दी ये रेस्तरां सेंट-पीटर्सबर्ग का फैशनेबल डाइनिंग सपोर्ट बन गया। कहां जाता है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन खुद वहां पर खाना खाने आते थे। वहीं से वह पुतिन के संपर्क में आ गए। पुतिन 2002 में अमेरिकी राष्ट्रपति को भी येवगेनी के रेस्तरां लेकर आए थे। पतन के संपर्क में आने के बाद येवगेनी को सेना की कैटरिंग के ठेके भी मिलने लगे। बताया जाता है कि येवगेनी उसकी प्राइवेट आर्मी वैगनर से जुड़े हुए हैं।

रूस यूक्रेन युद्ध ने येवगेनी को मजबूत किया है। येवगेनी नेहरू सी रक्षा मंत्रालय की आलोचना की। येवगेनी की आलोचना पद्धति ने चुप्पी साध ली। येवगेनी छवि कट्टरपंथी नेता की है। पुतिन की निर्भरता इन दिनों येवगेनी पर बढ़ गई है। उनका वेगनर फोर्स काफी प्रभावी माना जाता है। रूसी कोर्ट के डॉक्यूमेंट के मुताबिक, येवगेनी को 1981 में मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी में दोषी ठहराया गया था और 13 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि सोवियत यूनियन के पतन के 9 साल बाद येवगेनी को रिहा कर दिया गया।

ठंड से ठिठुर रहा दिल्ली समेत पूरा उत्तर भारत, न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज, धूप के नहीं हो रहे दर्शन

नयी दिल्ली। दिल्ली की सर्दी अपनी चरम सीमा पर पहुंच रही हैं। जहां 6 जनवरी को कानपुर से खबर आयी कि ज्यादा ठंड के कारण 25 लोगों की मौत हो गयी वहीं 7 जनवरी को दिल्ली में भी पारा लुढक गया। इस पूरे सीजन का सबसे सर्द दिन 7 जनवरी का रहा है। माना जा रहा है कि अभी ठंड और भी बढ़ सकती हैं। राष्ट्रीय राजधानी समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार 7 जनवरी से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी फिर शुरू होगी। इससे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में तापमान और गिर सकता है, जिससे ठंड बढ़ेगी।

दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से पांच डिग्री कम है और इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। घने कोहरे के कारण पालम में दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 25 मीटर थी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण 36 ट्रेन एक से सात घंटे की देरी से चल रही हैं। मौसम कार्यालय के अनुसार, दृश्यता जब शून्य और 50 मीटर के बीच रह जाती है तो उस समय 'बहुत घना' कोहरा होता है।

वहीं, 51 और 200 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'घना', 201 और 500 मीटर के बीच 'मध्यम' और 501 तथा 1,000 मीटर के बीच दृश्यता की स्थिति में 'हल्का' कोहरा होता है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। लोधी रोड, आयानगर और रिज मौसम केंद्रों में न्यूनतम तापमान क्रमशः दो डिग्री सेल्सियस, 3.4 डिग्री और 1.5 डिग्री दर्ज किया गया। आईएमडी ने कहा कि सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता 100 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में मुख्यतः आसमान साफ रहने, मध्यम से घने कोहरे और दिन में ठंड की स्थिति का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

विकासशील देशों की आवाज बनना भारत का कर्तव्य, विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

अहमदाबाद। पिछले साल भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह देश का कर्तव्य है कि वह वैश्विक दक्षिण की आवाज बने। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विकासशील दुनिया, जो वर्तमान में कई चुनौतियों का सामना कर रही है, नई दिल्ली को उच्च आशाओं के साथ देख रही है।प्रमुख स्वामी के चल रहे शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में खाड़ी देश दिवस ??में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि यह दो मंदिरों के साथचमत्कार से कुछ बड़ा है - एक अबू धाबी में निर्माणाधीन है और दूसरा बहरीन में अपेक्षित है - जब दो खाड़ी में लगातार चमत्कार हो रहे हैं।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि विकासशील देशों अथवा ग्लोबल साउथ की आवाज बनना भारत का कर्तव्य है। जयशंकर ने यहां एक समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि मौजूदा समय में विकासशील देश कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और वे बड़ी उम्मीदों के साथ भारत की ओर देख रहे हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि भारत ग्लोबल साउथ के देशों को एक साथ लाने और विभिन्न वैश्विक चुनौतियों से संबंधित उनकी सामान्य चिंताओं, हितों और दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 12 और 13 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसके जरिए एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दरअसल, ग्लोबल साउथ का इस्तेमाल एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के विकासशील देशों के लिये किया जाता है।जयशंकर ने भारत की जी-20 समूह की अध्यक्षता को लेकर कहा,'' मौजूदा समय में विकासशील देश तेल, खाद्यान्न और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों से चिंतित हैं। वे बढ़ते कर्ज और बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंतित हैं। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम कूटनीतिक दृष्टि से ग्लोबल साउथ कहे जाने वाले ऐसे देशों की आवाज बनें।''

संक्षिप्त समाचार .....

ब्राजील में पेले का अंतिम संस्कार विला बेल्मिरो में हुआ

सांतोस। मशहूर फुटबॉलर पेले का मंगलवार को अंतिम संस्कार हुआ और ब्राजील तथा दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों ने दिग्गज खिलाड़ी के निधन का शोक मनाया। ब्राजील के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने विला बेल्मिरो में पेले को श्रद्धांजलि दी। इसी स्टेडियम में पेले ने अपने करियर के अधिकांश मैच खेले थे। पेले को उसी शहर में दफनाया गया जहां वह बड़े हुए, मशहूर हुए और इसे फुटबॉल की वैश्विक राजधानी बनाने में मदद की। पेले के पार्थिव शरीर को ताबूत में कब्रिस्तान ले जाने से पहले एक कैथोलिक प्रार्थना का आयोजन विला बेल्मिरो स्टेडियम में किया गया। कैंसर से जूझने के बाद पेले का बृहस्पतिवार को 82 साल की उम्र में निधन हो गया। वह तीन विश्व कप जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे।

शिवा थापा, राष्ट्रीय मुक्केबाजी सेमीफाइनल में

छह बार के एशियाई पदक विजेता शिवा थापा और 2019 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक छठी पुरूष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। थापा (63.5 किलो) ने क्वार्टर फाइनल में पंजाब के आशुतोष कुमार को हराया। विश्व चैम्पियनशिप 2005 के कांस्य पदक विजेता थापा ने 5.0 से जीत दर्ज की। इसी वर्ग में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के कौशिक ने मणिपुर के रोहित एन को मात दी। थापा और कौशिक सेमीफाइनल में आमने सामने होंगे। इस बीच रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के वरिंदर सिंह (60 किलो) ने 2018 राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन हरियाणा के गौरव सोलंकी को हराया। अब उनका सामना उत्तर प्रदेश के सुनील चौहान से होगा। आरएसपीबी के रोहित टोकस (67 किलो) ने अखिल भारतीय पुलिस के निश्चय को 5 . 0 से मात दी। अब वह हिमाचल प्रदेश के अभिनाश जामवाल से खेलेंगे। दो बार राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीत चुके मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो) ने उत्तर प्रदेश के मनीष राठौड़ को 5.0 से मात दी। अब वह 2019 एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता हिमाचल प्रदेश के आशीष कुमार से खेलेंगे।

मनीष, हसमुद्दीन पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

विश्व चैंपियनशिप 2019 के कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक, 2022 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हसमुद्दीन और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन गौरव सोलंकी छठे एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले कौशिक (63.5 किग्रा) ने अपनी तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता आंध्र प्रदेश के संदीप डोनी को मात दी। कौशिक का दबदबा ऐसा था कि रेफरी को दूसरे दौर में ही मुकाबला रोकना पड़ा।राष्ट्रमंडल खेलों के दो बार के कांस्य पदक विजेता सेना के हसमुद्दीन (57 किग्रा) ने मिजोरम के लल्लवमावमा को सर्वसम्मत फैसले से हराया। हरियाणा के सोलंकी (60 किग्रा) ने प्री-क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के हरेंद्र सिंह को 5-0 से मात दी। रेलवे का प्रतिनिधित्व करने वाले गोविंद साहनी (48 किग्रा) ने जम्मू-कश्मीर के मानसिंह को 5-0 से हराया।2022 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता के सामने क्वार्टर फाइनल में अरुणाचल प्रदेश की हेली टाना तारा की चुनौती होगी। साहनी के टीम-साथी वरिंदर सिंह (60 किग्रा) ने सेना के इब्राहिम मोहम्मद के खिलाफ दमदार जीत दर्ज की। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले एशियाई युवा चैंपियन (2021) विश्वामित्र चोंगथम (51 किग्रा) ने आंध्र प्रदेश के प्रभुदास यादला पर 5-0 से प्रभावी जीत दर्ज की।

आनंद अमृतराज ने कहा कि यह चिंताजनक है कि भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी करीबी मैच नहीं जीत रहे हैं

भारत के पूर्व डेविस कप कप्तान आनंद अमृतराज इस बात से निराश हैं कि देश के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी एटीपी विश्व टूर पर करीबी मैच नहीं जीत पा रहे जबकि उनके पास अच्छा खेल है जो 'चिंताजनक' है। अमृतराज ने कहा कि विश्व टूर स्तर पर जमीनी स्ट्रोक से अधिक दबाव सोखने की क्षमता और अहम लम्हों पर सही फैसला करने की क्षमता मुकाबलों के परिणाम तय करती है और भारतीय खिलाड़ियों को इस पर काम करने की जरूरत है।देश के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद, रामकुमार रामनाथन और सुमित नागल ने टाटा ओपन महाराष्ट्र में बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दी लेकिन पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। ये सभी मैच को ऐसी स्थिति तक ले गए जहां से कोई भी खिलाड़ी जीत सकता था लेकिन जरूरत पड़ने पर अंक नहीं जीत सके। दुनिया के 340वीं रैंकिंग के मुकुंद को फ्लावियो कोबोली (171वीं रैंकिंग) के खिलाफ 4-6 5-7 से हार का सामना करना पड़ा जबकि रामकुमार (435वीं रैंकिंग) दुनिया के 62वें नंबर के पेड्रो मार्टिनेज के खिलाफ एक सेट की बढ़त के बावजूद 6-3 5-7 3-6 से हार गए।नागल (503वीं रैंकिंग) को भी दुनिया के 54वें नंबर के फ्लिप क्राजिनोविक के खिलाफ तीन सेट में हार झेलनी पड़ी। भारत की डेविस कप टीम की 2013 और 2018 के बीच कप्तानी करने वाले अमृतराज ने पीटीआई से कहा, ''मैं सुमित नागल से बहुत प्रभावित था, मुझे लगा कि उसने बहुत अच्छा खेल दिखाया। अंतिम सेट में 4-4 के स्कोर पर कुछ गलत शॉट चयन और इससे उसे मैच गंवाना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैंने मुकुंद को भी देखा, फिर से करीबी मुकाबला, 6-4 7-5, कुछ शॉट इधर-उधर होते तो नतीजा कुछ और हो सकता था। मुझे समझ नहीं आया कि हमारे लड़के जितना अच्छा खेलते हैं उसके बावजूद वे एटीपी टूर पर मैच जीतने में सक्षम नहीं हैं। वे चैलेंजर्स में अच्छा करते हैं लेकिन उन्हें बड़े टूर्नामेंटों में मैच जीतने की जरूरत है।''

आयोजकों ने 15 वर्षीय मानस धामने को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया और उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने मैच नहीं जीता लेकिन अमेरिकी के अनुभवी माइकल ममोह को कड़ी टक्कर दी। अमृतराज ने कहा कि धामने की हार फिर भी स्वीकार्य है लेकिन नागल और मुकुंद जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को जीतने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैच नहीं जीत पाना चिंताजनक है। 15 साल के खिलाड़ी के मामले में यह अनुभव की कमी है लेकिन सुमित नागल और मुकुंद ने टूर पर पर्याप्त मुकाबले खेले हैं।''अमृतराज ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का बार-बार चोटिल होना भी अच्छा संकेत नहीं है। नवंबर 2021 में नागल की कूल्हे की सर्जरी हुई और वह लगभग चार महीने बाहर रहे। जब उन्होंने प्रतिस्पर्धा शुरू की तो पहले दौर के 11 मैच हार गए और शीर्ष 500 से बाहर हो गए। मुकुंद को पीठ की समस्या पहले भी परेशान कर रही थी और उन्होंने 2019 में पैर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से भी नाम वापस ले लिया था। युकी भांबरी और प्रजनेश गुणेश्वरन भी चोटों के कारण अपने-अपने करियर में महत्वपूर्ण समय गंवा बैठे।अमृतराज ने कहा, ''मुकुंद 25 साल का है। सुमित भी लगभग इतनी ही उम्र का है। इस उम्र में सबसे पहली बात यह है कि आप फिट रहें। आजकल इन छोटे बच्चों को कितनी चोटें लग रही हैं, मैं हैरान हूं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी पीढ़ी में यह शायद ही कभी हुआ हो। अब आप युकी को देखें, वह ज्यादा नहीं खेला है, वह भाग्यशाली था कि वह चोट से वापसी कर पाया और खेला।'' आज भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी मुकुंद 340वें नंबर पर हैं जो भारतीय टेनिस की वर्तमान स्थिति के बारे में बहुत कुछ बयां करता है। अमृतराज जाहिर तौर पर इससे निराश हैं।

उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए काफी दुख की बात है कि कोई 340वीं रैंकिंग वाला खिलाड़ी हमारा सबसे अच्छा है, रैंकिंग के हिसाब से। सुमित नागल के पास शीर्ष 100 या 150 में आने का मौका था। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि रामकुमार शीर्ष 100 में क्यों नहीं थे।यह है मेरे लिए अविश्वसनीय है कि वे सभी एकल में संघर्ष करते हैं।'' अमृतराज को लगता है कि युकी को एकल को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, वह नहीं चाहते कि रामकुमार उस निर्णय को लेने में दिल्ली के खिलाड़ी का अनुसरण करें।

उन्होंने कहा, ''राम को कम से कम एक और साल के लिए एकल से जुड़े रहना चाहिए। युगल खेलने के लिए हमेशा समय होता है, रोहन 42 साल की उम्र में खेल रहा है। वह अच्छा खेल रहा है। आपके पास एकल को छोड़कर 28 साल की उम्र में युगल पर ध्यान केंद्रित करने का कोई कारण नहीं है, राम के साथ ऐसा ही है।'' अमृतराज ने कहा, ''जहां तक युकी का संबंध है, उन्हें फैसला करना था। उनके पास साकेत माइनेनी के रूप में एक अच्छा जोड़ीदार है। 30 साल की उम्र भी शायद युगल में जाना एक अच्छा समय है। युकी ने पांच-छह साल पहले कुछ अविश्वसनीय एकल मैच खेले हैं। मैं तय नहीं हूं कि उन्हें एकल को नजरअंदाज करना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना मन बना लिया है। यह वास्तव में निराशा की बात है क्योंकि वह अब भी बहुत प्रतिभाशाली हैं।

शॉपमैन ने कहा कि एशियाई खेलों के लिए दक्षिण अफ्रीका का हॉकी दौरा अच्छी तैयारी है

भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन को भरोसा है कि दक्षिण अफ्रीका का दौरा सीखने और हांगझोउ एशियाई खेलों की तैयारी का अच्छा मौका होगा। एशियाई खेलों की विजेता टीम को पेरिस 2024 ओलंपिक में सीधे प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की जहां गोलकीपर सविता पूनिया की अगुआई में टीम 16 से 28 जनवरी तक केपटाउन में मेजबान टीम के खिलाफ चार और नीदरलैंड के खिलाफ तीन मैच खेलेगी। यह दौरा स्पेन के वेलेंसिया में पहले नेशन्स कप में भारत की खिताबी जीत के एक महीने बाद हो रहा है। सविता के अलावा टीम में अन्य अनुभवी खिलाड़ी उपकप्तान नवनीत कौर और फारवर्ड रानी हैं, जो एक साल से अधिक समय के बाद टीम में वापसी कर रही हैं। रानी ने भारत के लिए पिछला मुकाबला बेल्जियम के खिलाफ प्रो लीग मैच के रूप में खेला था। पिछले साल मई में यूनीफर अंडर-23 पांच देशों के टूर्नामेंट में जूनियर राष्ट्रीय टीम की अगुआई करने वाली वैष्णवी विठ्ठल फाल्के को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। शॉपमैन ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका दौरा हमारे लिए नेशन्स कप के अपने प्रदर्शन को आगे बढ़ाने का एक शानदार मौका है। इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड दोनों के साथ खेलने से हमें वह सब कुछ मिलेगा जो हमें एशियाई खेलों से पहले अपने बारे में जानने के लिए जरूरी है।''कोच ने कहा कि नीदरलैंड की मजबूत टीम के खिलाफ तीन मैच उनकी टीम की कमजोरियों को जानने और उसकी प्रगति का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। शॉपमैन ने कहा, ''दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ खेलने से हमारी कमजोरियों का पता चलेगा और यह भी दिखाएगा कि हम अपने प्रदर्शन और प्रगति को लेकर कहां हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अधिक समय तक गेंद हमारे पास रहेगी जिससे हमें गेंद को अधिक समय तक अपने कब्जे में रखने में सुधार का मौका मिलेगा।रानी और नवनीत के अलावा अनुभवी वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग, रीना खोखर और शर्मिला देवी को अग्रिम पंक्ति में शामिल किया गया है। टीम- गोलकीपर- सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम डिफेंडर- निक्की प्रधान, उदिता, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंगडुंग, रानी, रीना खोखर, शर्मिला देवी। कार्यक्रम- दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत (16, 17, 19 और 21 जनवरी) नीदरलैंड बनाम भारत (22, 27 और 28 जनवरी)।

पटनायक ने राउरकेला में देश के सबसे बड़े हॉकी स्टेडियम का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम के बाद राउरकेला विश्व कप का दूसरा आयोजन स्थल है। पटनायक ने कहा कि स्टेडियम पूरे देश के लिए ओडिशा का उपहार है। राउरकेला विश्व कप के 44 में से 20 मैचों की मेजबानी करेगा जबकि फाइनल सहित शेष 24 मैच कलिंग स्टेडियम में खेले जाएंगे।ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को यहां देश के सबसे बड़े हॉकी स्टेडियम बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का उद्घाटन किया। खचाखच भरे स्टेडियम के बीच में खड़े होकर पटनायक ने 13 जनवरी से शुरू होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 से पहले स्टेडियम के उद्घाटन की घोषणा की। भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम के बाद राउरकेला विश्व कप का दूसरा आयोजन स्थल है। पटनायक ने कहा कि स्टेडियम पूरे देश के लिए ओडिशा का उपहार है। राउरकेला विश्व कप के 44 में से 20 मैचों की मेजबानी करेगा जबकि फाइनल सहित शेष 24 मैच कलिंग स्टेडियम में खेले जाएंगे।भारत का पहला मैच स्पेन के खिलाफ 13 जनवरी को यहां बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेला जाना है। दो दिन बाद भारत का सामना उसी मैदान पर इंग्लैंड से होगा। प्रख्यात आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के नाम पर स्थित स्टेडियम को 146 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गयाहै। स्टेडियम की कुल क्षमता 21 हजार दर्शकों की है और यह देश का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम है। यह स्टेडियम बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (बीपीयूटी) के परिसर में 15 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। स्टेडियम का निर्माण ओडिशा औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (आईडीसीओ) द्वारा किया गया था।फरवरी 2021 में ओडिशा के मुख्यमंत्री द्वारा स्टेडियम की आधारशिला रखी गई थी। राज्य लगातार दूसरी बार पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। इस तरह का पहला आयोजन 2018 में किया गया था। यह चौथी बार होगा जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। स्टेडियम को दुनिया में सबसे बड़ा माना जाता है। यहां तक कि एफआईएच के प्रमुख मोहम्मद तैयब इकराम ने यहां अपनी यात्रा के दौरान उल्लेख किया था कि 'यह दुनिया में सबसे बड़े स्टेडियम में से एक है।'मुख्य टर्फ के अलावा इसमें मुख्य स्टेडियम, फिटनेस सेंटर, हाइड्रोथेरेपी पूल, ड्रेसिंग और चेंजिंग रूम, कनेक्टिंग टनल और पांच सितारा आवास, 250 कमरे हैं जहां 400 खिलाड़ी रह सकते हैं। स्टेडियम में आने वालों के लिए प्रवेश और निकास के लिए छह द्वार हैं। इसके अलावा दो और चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। पटनायक ने 'ओडिशा रे हॉकी' (ओडिशा में हॉकी) नामक एक पुस्तक का भी अनावरण किया जिसे स्कूल और जन शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक सुंदरगढ़ में हॉकी के इतिहास और भारत के राष्ट्रीय खेल को बढ़ावा देने में ओडिशा की भूमिका से संबंधित है। पटनायक ने विशेष रूप से हॉकी विश्व कप मैच के दौरान परेशानी मुक्त आवाजाही के लिए राउरकेला में 30 वाहनों के साथ 'मो बस' (मेरी बस) सेवाओं का भी उद्घाटन किया।

भारतीय खिलाड़ियों से मिले नवीन पटनायक, जीतने पर हर खिलाड़ी को एक करोड़ देने का किया ऐलान

राउरकेला का बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरीके से लैस है। यह हॉकी के आधुनिक स्टेडियमों में से एक है। वहीं, विश्व कप गांव को रिकॉर्ड नौ महीने के अंदर तैयार किया गया है।हॉकी विश्व कप 2023 का आयोजन ओडिशा में होने जा रहा है। ओडिशा के 2 शहर राउरकेला और भुवनेश्वर में मुकाबले खेले जाएंगे। इसको लेकर ओडिशा सरकार की ओर से जबरदस्त तरीके से तैयारी भी की जा रही है। इन सब के बीच आज ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात भी की है। राउरकेला दौरे पर गए नवीन पटनायक ने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम परिसर में विश्वकप गांव का भी उद्घाटन किया। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों के लिए नवीन पटनायक ने बड़ी घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा है कि पुरुष हॉकी विश्व कप जीतने पर भारतीय टीम के हर खिलाड़ी को 1 करोड़ रुपए की पुरस्कार दी जाएगी।

आपको बता दें कि राउरकेला का बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरीके से लैस है। यह हॉकी के आधुनिक स्टेडियमों में से एक है। वहीं, विश्व कप गांव को रिकॉर्ड नौ महीने के अंदर तैयार किया गया है। इसमें हॉकी विश्व कप के स्तर के अनुरूप सभी सुविधाओं के साथ 225 कमरे हैं। विश्व कप गांव में आगामी हॉकी विश्व कप की टीमें और अधिकारी रहेंगे। यहीं पर भारतीय टीम ठहरी भी हुई है। उन्होंने पुरुष हॉकी टीम से बात भी की है। इसके बाद पटनायक ने कहा कि अगर हमारा देश विश्व कप जीतता है तो भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। मैं टीम इंडिया को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे चैंपियन बनकर उभरें।

आपको बता दें कि भारत में ओडिशा हॉकी का हब बनता जा रहा है। ओडिशा में हॉकी के क्षेत्र में कई बड़े काम किए हैं। हॉकी विश्वकप को लेकर ओडिशा के मुख्यमंत्री अपनी दिलचस्पी भी दिखा रहे हैं। वह लगातार तैयारियों की समीक्षा भी कर रहे हैं। हॉकी विश्व कप का आयोजन 13 जनवरी से लेकर 29 जनवरी के बीच होगा। भारत के अलावा इस विश्व कप में बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, फ्रांस और वेल्स की टीम शामिल हो रही है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, चिली, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीम भी इस विश्वकप में अपना दबदबा दिखाएगी। भारत को अपना पहला मुकाबला राउरकेला में स्पेन के साथ 13 जनवरी को खेलना हैं। वहीं भारत दूसरा मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ 15 जनवरी को राउरकेला में ही खेलेगा।

सुखजीत ने कहा कि भारत विश्व कप में एफआईएच प्रो लीग के अनुभव का फायदा उठाने की कोशिश करेगा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड सुखजीत सिंह ने कहा कि इस महीने भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप में टीम एफआईएच प्रो लीग में स्पेन और इंग्लैंड तथा राष्ट्रमंडल खेलों में वेल्स के खिलाफ खेलने के अनुभव का फायदा उठाने की कोशिश करेगी।भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड सुखजीत सिंह ने कहा कि इस महीने भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप में टीम एफआईएच प्रो लीग में स्पेन और इंग्लैंड तथा राष्ट्रमंडल खेलों में वेल्स के खिलाफ खेलने के अनुभव का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई पांच मैचों की श्रृंखला से टीम के कई सकारात्मक पहलू सामने आए और उसे उन क्षेत्रों का भी पता चला जिन पर काम करने की जरूरत है।

भारत 13 से 29 जनवरी के बीच विश्वकप की मेजबानी करेगा जिसमें दुनिया भर की 16 टीमें भाग लेंगी। भारत को इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार सुखजीत ने कहा,'' हमारे पूल में स्पेन, इंग्लैंड और वेल्स हैं। हम पिछले साल प्रो लीग में स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ खेले थे। इसके अलावा हमने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में वेल्स का सामना किया था। इसलिए हम अपने उन मैचों के प्रदर्शन पर गौर करेंगे तथा सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को ध्यान में रखकर उसी अनुसार तैयारी करेंगे।'भारत अपने अभियान की शुरुआत 13 जनवरी को स्पेन के खिलाफ करेगा। भारतीय टीम 27 दिसंबर से ही राउरकेला में अभ्यास कर रही है। पहली बार विश्वकप में खेलने जा रहे सुखजीत ने कहा,'' हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेली। इस दौरे के कई सकारात्मक पहलू रहे लेकिन कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें सुधार की जरूरत है। इसलिए हम अभ्यास में उन क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने थामा Al Nassr का दामन, नए क्लब की जर्सी पहने पहुंचे स्टेडियम

पुर्तगाल की टीम के कप्तान रहे क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल की दुनिया में नया सफर शुरु कर दिया है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब सउदी अरब के नए क्लब अल नस्त्र के साथ जुड़ गए है। उन्होंने मरसूल पार्ट स्टेडियम में क्लब आधिकारिक तौर पर जॉइन किया। इस दौरान रोनाल्डो का परिवार भी मौजूद रहा।

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब नए क्लब के साथ जुड़ गए है। सऊदी अरब के क्लब अल नास्त्र के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी जुड़ गए है। तीन जनवरी को आधिकारिक तौर पर रोनाल्डो नए क्लब के साथ जुड़े। इस दौरान नए क्लब अल नस्त्र की जर्सी पहने हुए रोनाल्डो स्टेडियम में पहुंचे। यहां फैंस ने रोनाल्डो का जबरदस्त तरीके से स्वागत किया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 37 वर्ष की उम्र में मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और युवेंतस जैसे क्लबों के साथ शानदार करियर का आगाज करने के बाद अल नस्त्र के साथ नई यात्रा की शुरुआत की है। अल नस्त्र के साथ रोनाल्डो ने 200 मिलियन यूरो यानी 1751 करोड़ रुपये की डील साइन की है।

रिकॉर्ड तोड़ने को हैं तैयारक्लब जॉइन करने के बाद रोनाल्डो ने कहा कि सऊदी अरब आकर अच्छा लग रहा है। यूरोप में मैंने वर्षों तक खेलते हुए कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। अब यहां भी कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मैं यहां जीतने, खेलने, लुत्फ उठाने आया हूं। इसके साथ ही देश की सफलता और संस्कृति का भी हिस्सा बनूंगा। बता दें कि जब रोनाल्डो ने क्लब को जॉइन किया तो स्टेडियम में रोनाल्डो का परिवार भी मौजूद था। इसमें उनकी पार्टनर जॉर्जिना रॉड्रिग्स, बच्चे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, बेला, अलाना, एवा और मातेओ रोनाल्डो भी उपस्थित थे।

स्वागत से गदगद हुए रोनाल्डो

रोनाल्डो का रियाद में जबरदस्त तरीके से स्वागत किया गया है। इस स्वागत के बाद रोनाल्डो काफी खुश नजर आए है। रोनाल्डो ने कहा फैंस ने क्या शानदार स्वागत किया है। रोनाल्डो ने जब क्लब के साथ स्टेडियम में एंट्री कि तो उन्हें देखने के लिए फैंस में काफी उत्साह रहा। वहां फैंस काफी शोर मचाते दिखे। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दोनों हाथ उठाकर फैंस का अभिवादन भी स्वीकार किया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी अरब पहुंचने के बाद यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी हिस्सा लिया है। इस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के दौरान रोनाल्डो की जुबान फिसल गई। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देने के दारान सऊदी अरब को दक्षिण अफ्रीका कह दिया। सऊदी अरब को दक्षिण अफ्रीका कहे जाने का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

धागा फैक्ट्री में लगी आग, चार घंटे की मशक्कत से छह दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेलबाजार की धागा फैक्ट्री में शार्ट सर्किट से आग लग गयी। मौके पर पहुंची दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों ने करीब चार घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने से पूरी फैक्ट्री जल गई और लाखों रुपए का नुकसान हो गया।रेलबाजार निवासी मो. नासिर की इलाके के एमएम होटल के पास धागा फ़ैक्ट्री है। देर रात मजदूर काम करने के बाद फ़ैक्ट्री के बाहर आग ताप रहे थे। अचानक अंदर शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में लिया। फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। मजदूरों ने भागकर अपनी जान बचाई। रिहायशी इलाके में आग की लपटे देख इलाके के लोग भी अलर्ट हो गए। सूचना पर एक के बाद एक छह फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके साथ ही रेलबाजार थाने की पुलिस फोर्स भी पहुंची। सबसे पहले फैक्ट्री के चारो तरफ से कवर करके आसपास के मकानों को सुरक्षित किया गया। इसके बाद चार घंटे की कड़ी मशक्कत से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।रेलबाजार थाना प्रभारी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से फैक्ट्री में आग लगी थी। वही आग से फ़ैक्ट्री में मशीन समेत धागे सभी जलकर खाक हो गए और लाखों का नुकसान हो गया।

बाइक सवार बस से भिड़े, दो घायल प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल किया गया रिफर

भीतरगांव (घाटमपुर)। साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव चौकी अंतर्गत भीतरगांव पसेमा रॉड पर बम्बे के पास बाइक सवारों की टक्कर एक स्कूली बस से हो गयी जिसमे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें 112 की सहायता से भीतरगांव स्वास्थ केंद्र भेजा गया जहाँ से गंभीर हालत में कानपुर जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया घटनाक्रम के अनुसार अर्पित यादव 20 निवासी नंदना अपने साथी अमर यादव 18 वर्ष के साथ बाइक से पासीखेड़ा गांव किसी काम से जा रहे थे जैसे ही पसेमा बम्बा के पास पहुँचे स्कूल बस से टकराकर घायल हो गए जिन्हें राहगीरों की सूचना पर पहुँची 112 ने भीतरगांव स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया जहाँ से कानपुर रिफर कर दिया गया

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर । जिलाधिकारी विशाख जी. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आरटीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूल, कॉलेजों, प्राइवेटबस एसोसिएशन, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, रोडवेज विभाग के ड्राइवर आदि के साथ यातायात जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किए जाए । यातायात जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 100 जिला स्तरीय अधिकारियों , यातायात नियमों की ट्रेनिंग प्राप्त कर बेसिक शिक्षा विभाग की टीम के साथ विद्यालयों में प्रातःकाल की असेंबली के समय बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन कराने की शपथ दिलाया जाए। 23 जनवरी को जनपद में यातायात जागरूकता हेतु मानव श्रंखला बनाई जाएगी। एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एनएच 91में घने कोहरे के दृष्टिगत सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल क्षतिग्रस्त वाहनों को तत्काल हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित कराए। एनएचएआई के अधिकारी एनएच 91 प्रयागराज से नौबस्ता हाइवे, बिल्हौर हाइवे , जाजमऊ से नौबस्ता हाइवे, चौबेपुर हाइवे के मुख्य मार्गो पर घने कोहरे के दृष्टिगत एक क्रेन,एक एम्बुलेंस की व्यवस्था 24 घण्टे रखना सुनिश्चित करें ।आरटीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर साइनेज, स्पीड ब्रेकर आदि अन्य आवश्यक व्यवस्थाए कराना सुनिश्चित करें। निर्धारित बसें निर्धारित स्टॉप पॉइंट पर खड़ी हो, बीच सड़क पर कोई भी बस खड़ी कर सवारी न ले एवं ऐसा करने वाली बसों के खिलाफ यातायात विभाग एवं एआरटीओ द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए । एच एच ए आई के अधिकारियों को यातायात विभाग के साथ अवैध कटों का संयुक्त सर्वे कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कड़ाके की ठंड और कोहरे का कहर जारी, धूप निकलने के बावजूद नहीं मिली राहत

ब्रेन स्ट्रोक,सांस के रोगी और हाई ब्लड प्रेशर की वजह से कई लोगों की सांसें टूटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कड़ाके की ठंड का कहर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बर्फीली हवाओं के लगातार चलने से कानपुर महानगर में शीतलहर का प्रकोप जारी है। रविवार को न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विभाग प्रमुख डॉक्टर एसएन पांडेय के अनुसार दिन में धूप निकलने के बावजूद कोहरे का असर बना रहेगा और पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली हवाओं की वजह से तापमान में भी कमी आएगी। पिछले 2 दिनों से कानपुर का न्यूनतम तापमान प्रदेश पड़ोसी पर्वतीय राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के शहरों शिमला, कांगड़ा धर्मशाला,मसूरी व नैनीताल से भी कम रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को तो न्यूनतम तापमान ने एक और रिकॉर्ड तोड़ा था। कानपुर में

न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

पिछले सात दिनों में सर्दी के चलते हार्ट अटैक से 98 लोगों की मौत हो गई है। इनमें 40 साल से कम आयु के 18, 40 से 60 वर्ष के 30 और 60 साल से अधिक उम्र के 50 मरीज शामिल थे। यह कानपुर समेत आसपास के जनपदों से कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में गंभीर हालत में पहुंचे थे। इसके अलावा हैलट,उर्सला और शहर के अन्य नर्सिंग होम में ब्रेन स्ट्रोक,दमा,सांस के रोगी और हाई ब्लड प्रेशर की वजह से कई लोगों की सांसें टूट रही है।

इमरजेंसी में कंट्रोल रूम चालू

कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. विनय कृष्ण ने बताया कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इमरजेंसी में कंट्रोल रूम चालू कर दिया गया है। यहां डॉक्टर, जूनियर डॉक्टर के अलावा पैरामेडिकल स्टाफ तैनात है। हेल्पलाइन नंबर जारी की गई है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला के मुताबिक ब्रेन स्ट्रोक, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सांस, गुर्दा, लिवर फेल होने की समस्या पर काफी मरीज भर्ती हैं। इमरजेंसी और आईसीयू में उपचार किया जा रहा है।

सरकारी गैर सरकारी स्कूल 14 तक हुए बंद

कानपुर। जिलाधिकारी ने वर्तमान में पड़ रही अत्यधिक ठंड, शीतलहर एवं कोहरे के दृष्टिगत जनपद कानपुर नगर स्थित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के समस्त बोर्ड के विद्यालयों (सरकारी /गैर सरकारी प्राइवेट) में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के 9 से 14 तक अवकाश घोषित किया जाता है।

कोहरे के ठीकठाक प्रभाव,धुंध,गलन और शीत लहर से लोगों को घर से निकलने के लिए हिम्मत जुटानी पड़ रही थी। रविवार को करीब साढ़े दस बजे सूरज झांके और किरणें जब नजर आईं तो लोगों ने हिम्मत दिखाई। सुबह 11 बजे तक ठीकठाक स्थिति में धूप निकल चुकी थी,लेकिन गलन और शीतलहर के आगे बेदम साबित रही। धूप की वजह से हल्की राहत भी रही। लेकिन देर शाम को गलन और शीतलहर के चलते सड़कों पर सन्नाटा दिखने लगा।

5 दिन से चकेरी एयरपोर्ट पर कोई फ्लाइट नहीं उतरी

सर्दी और घना कोहरा होने से शनिवार को भी चार उड़ानें रद्द रहीं। लगातार 5 दिन से एक भी फ्लाइट कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर नहीं उतरी है। इंडिगो की मुंबई,बेंगलुरु और स्पाइसजेट की दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट निरस्त रही। नए साल पर छठे दिन चारों उड़ानें निरस्त रहीं।

लड़कियों को बेचने वाले गैंग व खरीदारों के खिलाफ पुलिस ने रेप की धारा नहीं लगाई, उठे सवाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर की किशोरी को अगवा करके बेचने के मामले में रायपुरवा पुलिस की घोर लापरवाही सामने आई है। किशोरी को चार बार बेचा गया, कितनों ने उसके साथ गैंगरेप किया उसे खुद याद नहीं है। लेकिन,रायपुरवा थाने की पुलिस ने लड़कियों को बेचने वाले गैंग या खरीदारों के खिलाफ रेप की धारा में कोई कार्रवाई नहीं की है। पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाया है।

रायपुरवा थाने की पुलिस ने शनिवार को लड़कियों को अगवा करके बेचने वाले गैंग का खुलासा किया था। मामले में गैंग के सरगना इकबाल उर्फ राजू, उसकी पत्नी पूजा उर्फ चांदनी और खरीदार नत्थूलाल समेत छह आरोपियों को अरेस्ट करके जेल भेजा था। पुलिस के पूरे खुलासे पर पीड़ित परिवार ने सवाल उठाया है।

उनका कहना है कि मेरी बेटी 16 नवंबर को अगवा करने के बाद चार बार बेचा गया। उसके साथ कितने लोगों ने रेप और गैंगरेप किया उसे खुद भी याद नहीं है। हैवानों ने नाबालिग के साथ अत्याचार की पराकाष्ठा को पार कर दिया था। इसके बाद भी पूरे गैंग का खुलासा करने वाली रायपुरवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रेप की धारा में कार्रवाई नहीं की है।इससे खुलासा करने वाली रायपुरवा थाने की पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है।

रायपुरवा थाना प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि किशोरी का अभी मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज नहीं हुआ है। बयान में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर धारा बढ़ाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल उसका मेडिकल करा

लिया गया है। उसके मेडिकल रिपोर्ट को भी आधार बनाया जाएगा।

गिरफ्तार सिर्फ पिता हुआ

वहीं रायपुरवा थाने की पुलिस पर पीड़ित परिवार ने एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नत्थू लाल ने उसे अपने बेटे के लिए 70 हजार में खरीदा था। सिर्फ बेटे ने ही नहीं, दोनों ने किशोरी का यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद भी पुलिस ने आरोपी नत्थूलाल के बेटे को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस की कार्रवाई में इस तरह के तमाम सारे झोल सामने आए हैं।

प्रॉपर्टी के विवाद में हुई थी बजरंगी की हत्या, तीन गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बजरंगी उर्फ वीरु मौर्या की हत्या थाना बाबूपुरवा के अजीतगंज स्थित प्लाट को लेकर चल रहे विवाद के कारण हुई थी। 29 दिसंबर को हुई मारपीट में घायल बजरंगी की अगले दिन मौत हो गई थी। पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाकर मामले की जांच शुरू की।जांच में पता चला कि हत्याकांड और विवाद में शातिर किस्म और 15 हजार का इनामी दीपक कनौजिया शामिल है। डीसीपी साउथ ने अपनी स्पेशल टीमों को लगाकर हत्या कांड में शामिल तीनों आरोपियों को दबोच लिया।

मृतक बजरंगी उर्फ वीरु मौर्या प्लंबरिंग करने के साथ ही प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। इसी बीच थाना बाबूपुरवा के अजीतगंज स्थित प्लाट जो कि राजू अग्रवाल का है। राजू भी शातिर किस्म का अपराधी है। इसी प्लाट को लेकर बजरंगी उर्फ वीरु मौर्या का राजू और दीपक से विवाद चल रहा था। 29 दिसंबर को परसौली में दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई। जिसमें बजरंगी घायल हो गया था। इस मामले में थाना बिधनू में अज्ञात के विरुध्द पंजीकृत किया गया गया था। इलाज के दौरान बजरंगी उर्फ वीरु मौर्या की मृत्यु हो गयी विवेचना क्रम में उक्त अभियोगो में धारा 302 भादवि मे परिवर्तित कर वांछित अभि.गणों की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस ने मुकदमें में वांछित अभियुक्तगण दीपक कनौजिया पुत्र स्व. जीवनलाल नि भैरोघाट सिविल लाइन थाना कोहना, राजकुमार अग्रवाल उर्फ राजू गर्ग पुत्र स्व. शंकर लाल नि0 गोविन्द नगर, योगेश उर्फ पंकज सविता पुत्र चक्रपाल सविता नि0 परसौली थाना विधनू को तुलसियापुर तिराहे से आगे परसौली भट्टा के पास थाना विधनू से गिरफ्तार किया गया।

हिमालियन गिद्ध पाये जाने पर जमा हुई भीड़

कानपुर। शहर से विलुप्त हो चुका पंक्षी गिद्ध मिला हैं,बताया जाता हैं कि यह गिद्ध हिमालय की 13 हजार फीट की ऊंचाई पर पाया जाता था कानपुर में मिले गिद्ध के पंख पांच-पांच फीट के हैं देश में गिद्ध विलुप्त श्रेणी में आ गए हैं सरकार इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं भी चला रही है, ऐसे में उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक अच्छी खबर आई है 7 यहां के ईदगाह कब्रिस्तान में एक सफेद हिमालयन गिद्ध मिला है, जिसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है इस गिद्ध के पंख लगभग पांच-पांच फीट के हैं 7 अनुमान लगाया जा रहा है कि इस गिद्ध की उम्र सैकड़ों वर्ष पुरानी है यहां गिद्ध का जोड़ा कई दिन से डेरा डाले था बताया जा रहा है कि गिद्ध की पहचान करने के बाद ईदगाह में रहने वाले सफीक नाम के युवक ने अन्य पांच लोगों के साथ मिलकर बड़ी चादर तानकर उसे पकड़ा है 7 सफेद गिद्ध को देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई ।

किसानों की आय बढ़ाने में बकरी पालन की भूमिका

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने बताया कि खेती और पशु दोनों एक दूसरे के पर्याय हैं।उन्होंने बताया कि खेती कम होने की दशा में किसानों की आजीविका का मुख्य साधन पशुपालन है।गरीब की गाय के नाम से मशहूर बकरी हमेशा ही आजीविका के सुरक्षित स्रोत के रूप में पहचानी जाती रही है।उन्होंने कहा कि बकरी छोटा जानवर होने के कारण इसके रखरखाव का खर्च भी कम होता है।डॉक्टर वर्मा ने बताया कि सूखे के दौरान भी इसके खाने का इंतजाम आसानी से हो जाता है।उन्होंने कहा कि बकरी की उन्नतशील प्रमुख नस्लें जैसे जमुनापारी,बरबरी एवं ब्लैक बंगाल प्रमुख है। डॉक्टर वर्मा ने बताया कि डेढ़ वर्ष की अवस्था में बकरी बच्चा देने की स्थिति में आ जाती है। प्राय: एक बकरी एक बार में दो से तीन बच्चे देती है। उन्होंने कहा कि बकरी पालन व्यवसाय को करने में किसी विशेष तकनीकी की आवश्यकता नहीं पड़ती है।साथ ही जरूरत पड़ने पर आसानी से बेचकर नगद धन प्राप्त किया जा सकता है। इनके लिए बाजार स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होते हैं अधिकतर व्यवसाई गांव से ही बकरी बकरे खरीद कर ले जाते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी

कृषक गोष्ठी का उद्यान मंत्री ने किया शुभारम्भ

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रविवार को प्रतापगढ़ के बीएसएस एकेडमी फूलवारी में आयोजित एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अन्तर्गत कृषक गोष्ठी व प्रशिक्षण मेला कार्यक्रम का शुभारम्भ फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर मंत्री ने हाइटेक वेजिटेबल सिडलिंग प्रोडक्शन इकाई (मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स फार वेजीटेबल) राजकीय पौधशाला नारायनपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू कालाकांकर का बटन दबाकर शिलान्यास किया। इस दौरान मंत्री ने बीएसएस एकेडमी में विभिन्न कृषकों द्वारा अपने उत्पाद के प्रदर्शनी की लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं उसके सम्बन्ध में किसानों से जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर मंत्री ने प्रतापगढ़ के कृषकों का आवाहन करते हुये कहा कि अपने बच्चों को पारम्परिक खेती पर आधारित न रखे उनको आसमान में उड़ने दें, बच्चे पाली हाउस की खेती करके ज्यादा से ज्यादा आमदानी प्राप्त कर सकते है क्योकि बच्चे जानते है कि किस जनपद में कौन सी खेती करने से आय दुगुनी बढ़ सकती है। प्रतापगढ़ के पावन मिट्टी पर लोग अच्छी खेती करके अपनी आय दुगुनी कर रहे है। किसान यदि तकनीकी ढंग से खेती करे तो अपनी आय में निरन्तर वृद्धि कर सकता है। उन्होने किसानों से कहा कि उद्यान विभाग में विभिन्न प्रकार की योजनायें संचालित है और सब्सिडी भी प्रदान की जाती है इसलिये अपने बच्चों को औद्यानिक खेती में लाये, नि:सन्देह औद्यानिक खेती में अपार सम्भावनायें है जिनमें अधिक से अधिक आमदनी प्राप्त कर हम अपने को, अपने राज्य को और देश को आगे ले जा सकते है। प्रतापगढ़ आंवले के लिये जाना जाता है और आंवले से सम्बन्धित उद्योग लगाने के लिये किसान बिल्कुल निराश न हो केन्द्र एवं प्रदेश सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है, प्रदेश सरकार आंवलें से सम्बन्धित उत्पादन हेतु सब्सिडी प्रदान करती है। प्रतापगढ़ के नौजवान आंवले से सम्बन्धित कोई भी उद्योग लगाकर स्वयं को, प्रतापगढ़ को एवं राज्य सरकार को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग कर सकते है।

घाटमपुर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, हालत गंभीर किया रेफर

घाटमपुर। दामोदरपुर मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। रहगीरो ने पुलिस को सूचना देने के साथ घायल को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार कर युवक को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। घाटमपुर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव निवासी 38 वर्षीय सचिन कुमार उर्फ काजू अपने परिवार के ही एक छठी कार्यक्रम में शामिल होने चितौली गए थे, वहां से देर रात वह अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी क्षेत्र के दामोदरपुर मोड़ के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन बाइक सवार युवक को टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को देने के साथ एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर युवक को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई है।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।